सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 248 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 21 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : सीएम साय बोले- योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें

श्रीकंचनपथ न्यूज

## 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अम्बिकापुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सामूहिक योगाभ्यास

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है, जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाया है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि योग आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है, जो जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग वर्तमान समय की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करती है। तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग प्रत्येक आयु वर्ग के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है, इसलिए योग को केवल एक आयोजन तक सीमित न रखकर जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

### प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को मिली वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा रखे गए प्रस्ताव को रिकॉर्ड समय में व्यापक समर्थन प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि विश्व ने भारतीय ज्ञान परंपरा और योग की उपयोगिता को स्वीकार किया है। आज 21 जून को पूरी दुनिया जिस उत्साह से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है, वह भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक नेतृत्व का गौरवशाली उदाहरण है। उन्होंने कहा कि योग स्वास्थ्य और आरोग्य की ऐसी विश्वसनीय साधना है, जो जीवन के हर चरण में व्यक्ति का मार्गदर्शन करती है।

### योग से शरीर निरोग और मन शांत और विचार सकारात्मक रहते हैं

सीएम साय ने कहा योग शरीर को निरोग, मन को शांत और विचारों को सकारात्मक बनाता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव, अनिद्रा और मोटापे जैसी जीवनशैली जनित समस्याओं से बचाव में योग अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी आज योग की उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है और इसे बेहतर स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देख रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार योग के व्यापक विस्तार और संस्थागत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से योग विषय को समाज कल्याण विभाग से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

### जो अब तक योग से नहीं जुड़ पाए, वे आज से इसकी शुरुआत करें

विद्यालयों में योग को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि एकाग्रता, आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि जो लोग अब तक योग से नहीं जुड़ पाए हैं, वे आज से इसकी शुरुआत करें, क्योंकि जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कोई भी समय देर नहीं होता। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग को घर-घर तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आयोग प्रदेश में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवाओं की शिक्षा और भविष्य को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 की गई है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हाल ही में जनजातीय वर्ग के 13 युवाओं द्वारा यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

### भारतीय संस्कृति में ब्रह्ममुहूर्त का विशेष महत्व : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ब्रह्ममुहूर्त का विशेष महत्व है और इसी समय योगाभ्यास करना सबसे अधिक लाभकारी माना गया है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वैश्विक प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। इस अवसर पर विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह, सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, आयुष विभाग के संचालक राजेंद्र कुमार कटारा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे।

### योग को जीवनशैली में शामिल करें - राज्यपाल डेका

राज्यपाल रमेन डेका रविवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया एवं सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पूरा छत्तीसगढ़ इस ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहने की कामना की। योगाभ्यास कार्यक्रम में विधायकपुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी, मुख्य सचिवविकास शील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, पुलिस कमिश्नर रायपुर संजीव शुक्ला, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती : पीएम मोदी

**कोलकाता।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल के कोलकाता पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना में तीन अत्याधुनिक युद्धपोतों और सर्वेक्षण पोतों को शामिल किए जाने को नए भारत की ताकत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में सिर्फ खरीददार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दुनागिरी और आईएनएस संशोधक केवल जहाज नहीं हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प, भारतीय उद्योगों की क्षमता और देश के इंजीनियरों

व श्रमिकों की मेहनत के प्रतीक हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारत की ताकत दुनिया का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने में है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक ताकत उसकी समुद्री क्षमता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अधिकांश व्यापार समुद्री मार्गों से होते हैं और वैश्विक डेटा नेटवर्क भी समुद्र के नीचे से गुजरते हैं। आने वाले समय में महत्वपूर्ण खनिज, गहरे समुद्र के संसाधन और नए ऊर्जा स्रोत भी समुद्र से ही जुड़े होंगे। ऐसे में भारत अपनी समुद्री शक्ति को लगातार मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस बात की गवाह है कि मजबूत समुद्री क्षमता के बिना कोई भी देश महाशक्ति नहीं बन सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना में शामिल किए गए आईएनएस अग्रय, आईएनएस दुनागिरी और आईएनएस संशोधक भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि ये तीनों पोत भारत में ही डिजाइन किए गए और भारत में ही बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पोतों में भारतीय उद्योगों की प्रतिभा, इंजीनियरों के कौशल और श्रमिकों की मेहनत दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक का सफर केवल नए युद्धपोतों का सफर नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की यात्रा भी है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से आईएनएस संशोधक को भारत का सबसे उन्नत हाइड्रोग्राफी जहाज बताया।

## बाल श्रम के लिए ले जा रहे 6 नाबालिग बच्चों को कराया मुक्त

**महासमुंद।** छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने महासमुंद जिले के प्रवास के दौरान तुमगांव थाना क्षेत्र में बाल श्रम का मामला पकड़ा। सड़क पर एक पिकअप वाहन में बैंड पार्टी द्वारा 6 नाबालिग लड़कों को श्रम के लिए ले जाते देख उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप किया। मौके पर अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा आधे फोन घंटे उपस्थित रही । डॉ. शर्मा ने मौके से ही एसजेपीयू (स्पेशल जूविनाइल पुलिस ऑफिसर), डीपीओ एवं डीसीपीओ की टीम को निर्देशित कर सभी 6 बच्चों को रेस्क्यू कराया। बच्चों को सुरक्षित तुमगांव थाना भिजवाया गया। साथ ही बाल श्रम में प्रयुक्त वाहन क्रमांक सीजी 06जीएम 4266 पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

## वैभव सूर्यवंशी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा 11 बॉल में पूरा किया अर्धशतक

- 50 ओवर क्रिकेट में फास्टेस्ट फिफ्टी, 29 बॉल पर 94 रन बनाए

**कोलंबो।** वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर की क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का 20 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने श्रीलंका-ए के खिलाफ अभी चल रहे ट्राई सीरीज के फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।

श्रीलंका-ए के कप्तान सहान अरच्चिगे ने भारत-ए को पहली सफलता दिलाते हुए वैभव सूर्यवंशी की पारी का अंत किया। अरच्चिगे की फ्लाइटेड गेंद पर सूर्यवंशी ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर सही तरह नहीं आई और विजयकांत वियासकांत ने कैच लपक लिया। सूर्यवंशी ने 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 8 छक्के शामिल रहे।

वैभव से पहले इस फॉर्मेट की फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीरात्ने ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा क्रिकेट कल्ब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। वनडे इंटरनेशनल एक लिस्ट-ए मैच भी होता है। वनडे इंटरनेशनल में फास्टेस्ट फिफ्टी एबी डिविलयर्स ने बनाई है। उन्होंने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ15 बॉल पर 50 रन पूरे कर लिए थे।

## इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, विराट कोहली की सशर्त वापसी

**नईदिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। विराट कोहली को भी इस सीरीज के लिए टीम में मौका मिला है, लेकिन उनका इसमें खेलना फिटनेस पर निर्भर करता है। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को मौका नहीं मिला है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

## छात्रावास में युवक ने की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** महाराणा प्रताप भवन सेक्टर 7 के छात्रावास में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक निखिल पौसार्य पिता प्रहलाद पौसार्य (19 वर्ष) पंडरिया जिला कबीरधाम का रहने वाला था। उसकी लाश छात्रावास के कमरे में पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकती हुई मिली। भिलाई नगर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

बताया जा रहा है कि निखिल पौसार्य पंडरिया से यहां पढ़ाई के लिए आया था। वह सेक्टर 6 में स्थित साईं महाविद्यालय में बीएससी बायो की पढ़ाई कर रहा था। वह साल भर से भिलाई नगर स्टेशन के नजदीक महाराणा प्रताप भवन के छात्रावास में रह रहा था। छात्रावास में वैसे तो एक कमरे में दो छात्रों को रहने दिया जाता है। लेकिन कोई दूसरा छात्र नहीं होने से निखिल अकेले एक कमरे में रहता था। आज सुबह काफी देर तक जब निखिल कमरे से बाहर नहीं निकला तो छात्रावास में रहने वाले छात्रों ने इस बात की जानकारी क्षत्रिय कल्याण सभा के पदाधिकारियों को दी। पदाधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। फिर दरवाजा तोड़कर देखा गया तो निखिल की लाश पंखे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकती हुई मिली। भिलाई नगर पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। फिर शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है। फिलहाल निखिल की खुदकुशी के कारण का पता नहीं चल पाया है।

## होर्मुज से 8.6 लाख मीट्रिक टन तेल लेकर लौट रहे तीन भारतीय टैंकर, लोगों को मिलेगी राहत

**नईदिल्ली।** भारत की समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा को एक बड़ी मजबूती मिली है क्योंकि भारतीय ध्वज वाले तीन क्रूड ऑयल टैंकर सफलतापूर्वक होर्मुज से गुजर चुके हैं और अब बड़ी मात्रा में रणनीतिक कार्गो लेकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। यह घटनाक्रम क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक हालात के बीच हुआ है, जिनकी वजह से पहले इस अहम जलमार्ग से होने वाली शिपिंग में रुकावट आई थी।

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए सरकार के समन्वित प्रयासों पर जोर देते हुए इनके सुरक्षित गुजरने की

जानकारी दी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, सुरक्षित रास्ता मिल गया! भारतीय झंडे वाले 3 क्रूड ऑयल टैंकर 'देश वैभव', 'देश विभोर' और 'सनमार हेराल्ड'—94 भारतीय क्रू सदस्यों के साथ 8.6 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्गो लेकर आज होर्मुज से सफलतापूर्वक गुज़रे हैं और भारत आ रहे हैं।

### 24 जून से 1 जुलाई के बीच पहुंचेगा तेल का खेप

अधिकारियों के अनुसार, तीनों जहाज देश वैभव, देश विभोर और सनमार हेराल्ड 24 जून से 1 जुलाई के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है। इसे भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सप्लाई चेन ऑपरेशन माना जा रहा है। देश वैभव के 24 जून को वडीनार बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है, जबकि 'देश विभोर' के उसी दिन सिक्का बंदरगाह पहुंचने की संभावना है। तीसरा जहाज, 'सनमार हेराल्ड', जिसने 20 जून को होर्मुजपार किया था, 1 जुलाई को पारादीप बंदरगाह पहुंचेगा।

## संपादकीय

# युध्द कोई जीता नहीं, नुकसान सबका हुआ

वह जमाना गया जब दो देशों के बीच युध्द हो तो युध्द में एक देश जीतता था और एक देश हारता था। एक खुद को विजयी मानता था और दूसरा खुद को पराजित स्वीकार करता था। पराजित देश को विजयी देश की कई शर्तें माननी पड़ती थी। 2021 के दशक में युध्द का स्वरूप बदल गया है। इसका पता रूस-यूक्रेन व अमरीका-ईरान युध्द से चलता है। अब दो देशों के बीच युध्द शुरू हुआ तो वह कब समाप्त होगा कोई यह बता नहीं सकता। रूस-यूक्रेन युध्द कई साल से चल रहे हैं और दोनो देश चाहें तो कई साल तक चल सकते हैं क्योंकि युध्द अब मैदान में नहीं लड़े जाते हैं,जो युध्द मैदान में लड़े जाते थे,उसमें कुछ दिनों या कुछ महीनों में हार जीत का फैसला हो जाता था। अब तो ड्रोन व मिसाइलों से युध्द लड़े जाते हैं। एक दिन एक देश हमला करता है, एक दिन दूसरा देश हमला करता है। हमले होते रहते हैं, एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने का दावा किया जाता है लेकिन हार जीत नहीं होती है। अमरीका व ईरान युध्द में भी ऐसा ही हुआ है।कोई जीता नहीं है और कोई हारा नहीं है। दोनों लड़ते लड़ते थक गए थे इसलिए शांति चाहते थे लेकिन अपनी शर्तों पर शांति चाहते थे। यही वजह है कि शांति की कोशिशें होती रही हैं लेकिन रिजल्ट नहीं निकल रहा है। शांति के लिए बातचीत होती रही और इसका परिणाम अब जाकर शांति के रूप में आया है।

> “रूस-यूक्रेन युध्द कई साल से चल रहे हैं और दोनो देश चाहें तो कई साल तक चल सकते हैं क्योंकि युध्द अब मैदान में नहीं लड़े जाते हैं,जो युध्द मैदान में लड़े जाते थे,उसमें कुछ दिनों या कुछ महीनों में हार जीत का फैसला हो जाता था। अब तो ड्रोन व मिसाइलों से युध्द लड़े जाते हैं। एक दिन एक देश हमला करता है, एक दिन दूसरा देश हमला करता है। हमले होते रहते हैं, एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने का दावा किया जाता है लेकिन हार जीत नहीं होती है। अमरीका व ईरान युध्द में भी ऐसा ही हुआ है।कोई जीता नहीं है और कोई हारा नहीं है।

ईरान व अमरीका के बीच आखिर 107 दिन के बाद लड़ाई बंद हो गई है। 15 जून को अमरीका व ईरान ने डील के एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिनेवा में 19 जून को औपचारिक हस्ताक्षर वाला कार्यक्रम होगा। शांति के लिए शुरुआत हो गई है। अभी कई बिंदुओं पर दोनों पक्षों के बीच 60 दिन तक बातचीत होगी। उसके बाद जो समझौता होगा वह अंतिम समझौता होगा। दोनों देशों के बीच युध्द खत्म होने तथा शांति समझौते का पूरी दुनिया इंतजार कर रही थी। दोनों देशों के बीच युध्द के कारण पूरी दुनिया में तेल व ईंधन के दाम बढ़ गए हैं और सब इंतजार कर रहे थे कि युध्द समाप्त हो तो सभी देशों को महंगाई से राहत मिले।दोनों देशों के बीच युध्द समाप्त होने का सभी देशों ने स्वागत किया है। सब चाहते थे कि दोनो देशों के बीच जो भी समस्या है, उसका हल बातचीत के जरिए निकाला जाए क्योंकि सब मानते हैं युद्ध से किसी समस्या का हल नहीं होता है सिर्फ नुकसान होता है. लड़ने वाले देशों का भी नुकसान होता है और बाकी देशों का भी नुकसान होता है। दोनों देशों के बीच आखिर युध्द समाप्त हुआ तो बातचीत के जरिए ही हुआ। बातचीत का यह सिलसिला युध्द शुरू होने के बाद ही शुरू कर दिया गया होता 100 दिन तक पूरी दुनिया को जो परेशानी हुई है नहीं हुई होती। अमरीका को वहम था कि वह कुछ दिन में युध्द समाप्त कर ईरान को घुटनों पर ले आएगा लेकिन 100 दिन बाद भी अमरीका ईरान को घुटनों पर नही ला सका, उसे खुद ईरान का शर्तें माननी पड़ी जो वह सामान्य स्थिति में कभी नही मानता क्योंकि युध्द से ट्रंप को अमरीका की अंदरूनी राजनीति में नुकसान हो रहा था और आने वाले दिनों में और ज्यादा राजनीतिक नुकसान होता इसलिए ट्रंप जल्द युध्द समाप्त करना चाहते थे, ऐसा तब ही होता जब ट्रंप ईरान की शर्तें मानते।

हार जीत की कसौटी पर इस युध्द को देखा जाए तो हार तो ट्रंप की हुई है क्योंकि वह सबसे शक्तिशाली देश है लेकिन उसे ईरान की कुछ बातें माननी पड़ी है, इसे ईरान की जीत व अमरीका की हार माना जा सकता है। अमरीका ईरान में जो करना चाहता था वह 100 दिन में नहीं कर सका है और ईरान जो चाहता था वह सौ दिन में हासिल करने में सफल रहा है। डील के 14 पाइंट को देखने पर साफ हो जाता है कि ईरान ने अमरीका का झुकने पर मजबूर कर दिया है। डील के मुताबिक ईरान,लेबनान व अन्य मोर्चों पर युध्द बंद होगा,अमरीका ईरान की संप्रभुता व आतंरिक मामले में कोई दखल नहीं देगा, 30 दिन मे अमरीकी नाकाबंदी खत्म होगी, ईरानी क्षेत्र से अमरीकी सेना हटेगी,30 दिन में होर्मूज को खोला जाएगा,ईरानी तेल,पेट्रो केमिकल से प्रतिबंध हटाया जाएगा,ईरान को निर्यात का पूरा अधिकार होगा,अमरीका व उसके सहयोगी ईरान के पुनर्निर्माण के लिए 28 लाख करोड़ रुपए का पैकेज देंगे। परमाणु मुद्दे और ईरान पर से प्रतिबंध हटाने के लिए60 दिन बात होगी,एनएनपीटी के तहत ईरान परमाणु बम नहीं बनान का लिखित में आश्वासन देगा,वार्ता अवधि मे अमरीका सेना का जमाव नहीं करेगा न ही नए प्रतिबंध लगाएगा, वार्ता की शुरुआत में ही अमरीका ईरान की करीब 1.25 लाख करोड़ की संपत्ति को डीफ्रीज करेगा,वार्ता की शर्तें लागू करने के लिए समिति का गठन किया जाएगा,संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद फाइनल एग्रीमेंट की घोषणा करेगा।

# जल शक्तिः विकसित भारत की यात्रा को दे रही है गति

सी. आर. पाटिल

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है?

ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब 'जल' देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग-अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढ़ियाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई।

इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराना है। लाखों परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह केवल पानी की सुविधा नहीं है, बल्कि उनके जीवन में आया एक बड़ा बदलाव है।

अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है। जो समय पहले पानी लाने में लगता था, अब उसका उपयोग पढ़ाई, रोजगार, बच्चों की देखभाल और आय बढ़ाने वाले कामों में हो रहा है। साथ ही, सुरक्षित पेयजल मिलने से पानी से फैलने वाली बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे लोगों का इलाज पर होने वाला खर्च भी घटा है। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ने भी देश में बड़ा बदलाव लाया है। इस अभियान ने दिखाया कि लोगों की सोच में बदलाव, जनभागीदारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलकर बड़े स्तर पर परिवर्तन ला सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की वजह से 2014 से अक्टूबर 2019 के बीच दस्त से होने वाली 3 लाख से अधिक मौतों को रोका जा सका। घर-घर शौचालय बनने से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को सम्मान, निजता और सुरक्षा मिली। इस तरह स्वच्छता केवल एक सुविधा नहीं रही, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बन गई। गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के बाद अब देश स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 के तहत ठोस और तरल कचरे के वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत ने जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज के क्षेत्र में भी दुनिया के सबसे बड़े अभियानों में से एक चलाया है। 6 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत से जल संचय जन भागीदारी अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत 31 मई 2026 तक देशभर में 1.55 करोड़ से अधिक वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। यह अभियान दिखाता है कि जल संरक्षण में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयास कितने प्रभावी हो सकते हैं।

इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब भूजल की स्थिति में भी दिखाई देने लगा है। हाल के आकलनों के अनुसार, देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है और जिन क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, उनकी संख्या में भी कमी आई है। यह इस बात का प्रमाण है कि लगातार किए गए जल संरक्षण के प्रयास और जनभागीदारी मिलकर पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को भी कम कर सकते हैं।

साथ ही, भारत ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं को भी तेज़ी से आगे बढ़ाया है। देश की पहली बड़ी नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्यों के भीतर नदियों को जोड़ने की कई परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नमामि गंगे कार्यक्रम ने यह साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

पिछले एक दशक में 4,260 मिलियन लीटर प्रतिदिन(एमएलडी) सीवेज शोधन क्षमता विकसित की गई है। अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से निकलने वाला जैविक प्रदूषण (बीओडी) 2017 में 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन रह गया है। वहीं, उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी (एफ्लुएंट) का उत्सर्जन भी 349 एमएलडी से घटकर 265.56 एमएलडी हो गया है।

आज निगरानी के आंकड़े बताते हैं कि गंगा नदी में सभी निगरानी केंद्रों पर पानी का पीएच स्तर और घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) स्नान योग्य मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, देशव्यापी आकलन के अनुसार गंगा में लगभग 6,324 गंगा डॉल्फिन पाई गई हैं, जो नदी के बेहतर होते पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की जल यात्रा दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख बनकर सामने आई है। 21वीं सदी की जल संबंधी चुनौतियों का समाधान अलग-अलग प्रयासों से नहीं हो सकता। पेयजल, स्वच्छता, नदियों का संरक्षण, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था, भूजल रिचार्ज, इस्तेमाल किए गए पानी का दोबारा उपयोग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी इन सभी को एक-दूसरे से जुड़ी व्यवस्था के रूप में देखना होगा।

जलवायु परिवर्तन के दौर में यह समग्र दृष्टिकोण और भी ज़रूरी हो जाता है, क्योंकि दुनिया भर में जल संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। भारत के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है। दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, लेकिन देश के पास दुनिया के कुल मीठे पानी के संसाधनों का केवल लगभग 4 प्रतिशत ही है।

तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बदलते मौसम के पैटर्न आने वाले वर्षों में इन जल संसाधनों पर और अधिक दबाव डालेंगे। इसलिए आज जल क्षेत्र में किया जा रहा निवेश केवल विकास पर होने वाला खर्च नहीं है, बल्कि देश को भविष्य की चुनौतियों के लिए मजबूत बनाने में किया जा रहा दीर्घकालिक निवेश है। पिछले एक दशक में मिली सफलता यह दिखाती है कि जब निस्वार्थ नेतृत्व, जवाबदेह शासन और जनता की सक्रिय भागीदारी एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए साथ आते हैं, तो बड़े और सकारात्मक बदलाव संभव हो जाते हैं।

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है, जल उसकी विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। जल सुरक्षित भारत का मतलब केवल सभी को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना नहीं है। इसका अर्थ है महिलाओं का सम्मान, परिवारों का बेहतर स्वास्थ्य, किसानों की अधिक उत्पादकता, शहरों का टिकाऊ विकास और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना।

पिछले 12 वर्षों में भारत के जल क्षेत्र में जो बड़ा बदलाव आया है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। उनके संकल्प ने पानी को केवल एक विकास संबंधी चुनौती नहीं रहने दिया, बल्कि उसे राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत का एक मजबूत माध्यम बना दिया।

आगे की राह में लगातार प्रयास करना आवश्यक होगा। इसमें तकनीक, आंकड़ों और नवाचार की बड़ी भूमिका रहेगी। हमारा लक्ष्य सभी क्षेत्रों में पानी के बेहतर और कुशल उपयोग को बढ़ावा देना, इस्तेमाल किए गए पानी का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण बढ़ाना, स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करना और जल संरक्षण में आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना है।

**(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं।)**

# भारतीयता कमजोर होगी सद्भाव पर आंच से

विश्वनाथ सचदेव

आज हर विवेकशील नागरिक समझे कि देश में भाई-चारे की भावना को कमज़ोर बनाने वाला हर काम भारतीयता को कमज़ोर बनाता है। ऐसे हर काम का विरोध होना चाहिए। भाई-चारे की यह भावना तभी मजबूत बनेगी जब हम एक-दूसरे की भावनाओं को समझने, उनका आदर करने की आवश्यकता और महत्ता को समझेंगे।

युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज़ समझने वाली बात में अब एक बात और जुड़ गयी है। अब चुनाव में भी सब कुछ सही मान लिया गया है। भले ही हमने अपने संविधान में धर्म-निरपेक्षता के सिद्धांत में विश्वास जताया हो, पर धर्म की दुहाई देकर राजनीतिक स्वार्थ साधने के उदाहरणों की कोई कमी नहीं है। हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनावों में हमने देखा कि धर्म की राजनीति करने वाले हमारे राजनेताओं को ज़रा भी संकोच नहीं हुआ। असम और बंगाल में यह प्रकृति खुलकर सामने आयी। खुलेआम धर्म के नाम पर वोट मांगे गये, और धर्म के नाम पर वोट देने वालों की भी कमी नहीं रही।

बहुत पुरानी बात नहीं है जब भाजपा के एक राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निस्संकोच यह कहा था कि उन्हें, यानी उनकी पार्टी को मुसलमानों के वोटों की कोई आवश्यकता नहीं है। उनकी इस बात के पीछे का गणित बहुत स्पष्ट था। देश में मुसलमानों की आबादी लगभग बीस प्रतिशत है। यदि शेष अस्सी प्रतिशत में से पचास-साठ प्रतिशत मतदाता भी धर्म के आधार पर वोट देते हैं तो धर्म की राजनीति करने वालों की विजय सुनिश्चित है। पिछले सात-आठ दशकों में देश के बहुसंख्यक मतदाताओं को धर्म के नाम पर वोट देने के लिए उकसाने की कोशिशों से कौन अपरिचित है? पर यह भी एक वास्तविकता है कि इस देश के बहुसंख्यकों ने सिर्फ धर्म के आधार पर राजनीति करने वालों को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों की कोशिशें लगातार जारी रही हैं। इन कोशिशों को असफल बनाना देश के बेहतर कल की एक प्रमुख शर्त है।

हमारे संविधान-निर्माता इन कोशिशों के खतरों को अच्छी तरह समझते थे। इसीलिए हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान के आमुख में स्वतंत्रता, समता और न्याय के साथ भाई-चारे को जोड़ना ज़रूरी समझा था। वे अच्छी तरह जानते थे कि यदि भारत सामाजिक जनतंत्र को स्थापित करने में विफल रहता है तो हमारा राजनीतिक जनतंत्र भी बिखर जायेगा। संविधान-सभा में 25 नवम्बर, 1949 के अपने भाषण में डॉक्टर अम्बेडकर ने यह बात बड़ी स्पष्टता और गंभीरता के साथ समझायी थी। उन्होंने कहा था कि जनतंत्र के चारों आधारों समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता का बने रहना जनतांत्रिक भारत के अस्तित्व की शर्त है। वे यह मानते थे कि यदि इन चारों में से किसी एक को भी अपनी जगह से हटाया गया तो जनतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जायेगा।

उन्होंने कहा था, 'स्वतंत्रता को समानता से अलग नहीं किया जा सकता, न ही समानता को स्वतंत्रता से दूर किया जा सकता है। इसी तरह स्वतंत्रता और समानता को भाई-चारे से पृथक नहीं किया जा सकता। यदि समानता नहीं रही तो 'बहुतों' पर 'कुछ' को वरीयता मिल जायेगी। स्वतंत्रता के बिना समानता का मतलब व्यक्ति की पहल करने की क्षमता को नकारना होगा।'

जहां तक भाई-चारे का सवाल है इसका सीधा-सा मतलब है सभी भारतीयों का एक-दूसरे से जुड़ा होना और जुड़ा रहना। उन्होंने इसके साथ ही यह कहना भी ज़रूरी समझा था कि इसके बिना स्वतंत्रता और समानता का अधिकार भी बहुत ज़्यादा माने नहीं रखता। संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर इस विचार को रेखांकित करने वाले अकेले नहीं थे। और भी कइयों ने स्वतंत्र जनतांत्रिक भारत में भाई-चारे की आवश्यकता और महत्ता को रेखांकित किया था। वे सब इस बात को मानते थे कि भाई-चारा ही वह गोंद है जो भारतीयों को जोड़े रखेगी। बहुधर्मीय, बहुजातीय और बहुभाषी भारत को आपसी भाई-चारे की भावना ही जोड़े रख सकती है। आज़ादी की अब तक की यात्रा में यदि हम सब एक साथ आगे बढ़ पाये हैं तो उसका श्रेय भी भाई-चारे को समता, स्वतंत्रता और न्याय जितना महत्व देने को जाता है। यह भाई-चारा हमारे संविधान-निर्माताओं के लिए कोई मोहक कल्पना नहीं था, एक ठोस आधार था देश के भविष्य का। सब जानते हैं कि जब हमारा संविधान लिखा जा रहा था तो वह समय देश में भारी उथल-पुथल का था। विभाजन की त्रासदी को झेल रहा था देश, सांप्रदायिकता की आंच भी जब-तब सिर उठा रही थी। उस माहौल में भाई-चारे के दार्शनिक विचार को जनता के मन और मस्तिष्क तक पहुंचाना कोई आसान काम नहीं था। एक तरफ हमारे संविधान-निर्माता यह काम करने में लगे थे, वहीं दूसरी ओर बंगाल में महात्मा गांधी अपनी 'एक व्यक्ति की सेना' के सहारे सांप्रदायिकता की आग बुझाने का काम कर रहे थे।

आज इस बात को फिर से समझने की आवश्यकता है कि गांधी ने 15 अगस्त, 1947 को दिल्ली के बजाय कोलकाता (तब कलकत्ता) में रहना ज़रूरी क्यों समझा था। आज फिर उस भाई-चारे को समझने-जीने की आवश्यकता है।

**लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।**

# युद्धों का चेहरा बदलता अदना-सा ड्रोन

गुरबचन जगत

मौजूदा समय में ड्रोन युद्ध के तरीके को बदल रहे हैं। इसके चलते छोटे देश भी महाशक्तियों का मुकाबला कर पा रहे हैं। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्धों में ड्रोन ने अहम भूमिका निभाई। इसका असर जियो पॉलिटिक्स व सुरक्षा रणनीति पर होगा। भारत के लिए भी इससे सैन्य चुनौतियां पैदा हुई हैं।

तेरहवीं सदी में इंग्लिश लॉन्गबो (एक किस्म का लंबा धनुष) खतरनाक हथियार के तौर पर उभरा। इसको 13वीं और 15वीं सदी के बीच इंग्लैंड की सैन्य ताकत के दबदबे का प्रतीक माना जाता है। मध्ययुगीन युद्धों में लड़ाई की तकनीक में भी यह एक बड़ा बदलाव लेकर आया इंग्लैंड की सैन्य ताकत कवच धारी कुलीनों से हटकर आम लोगों से बने तीरंदाजों की भुजाओं में आ गई। यह बदलाव इतना अहम था कि एडवर्ड तृतीय ने शाही फरमान जारी किया। 'प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति रविवार व छुट्टियों के दिन तीरंदाजी का अभ्यास करेगा, और अन्य सभी खेलों पर रोक होगी।'

एजिनकोर्ट की लड़ाई (सन 1415) शायद इस शक्ति परिवर्तन की बेहतरीन मिसाल है, जिसमें लगभग 7,000 सैनिकों की (इनमें 5,000 तीरंदाज थे) की छोटी सी इंग्लिश सेना ने कवच से लैस घुड़सवार योद्धाओं वाली विशाल फ्रांसीसी सेना (जिसमें करीब 20,000 सैनिक थे) को हरा दिया। लॉन्गबो ने आम लोगों को सैन्य ताकत का अहम हिस्सा बना दिया और व्यापार व कारीगरी की पूरी इकॉनोमी को आगे बढ़ाया।

शेक्सपियर ने अपने नाटकों में, एजिनकोर्ट की लड़ाई से पहले किंग हेनरी पंचम के संवादों से इस बदलाव को अमर बना दिया : 'हम कुछ लोग, चंद खुशकिस्मत लोग हैं, भाइयों से बना हमारा समूह है; जो कोई आज मेरे साथ अपना खून बहाएगा वह मेरा भाई होगा; चाहे वह कितने भी निम्न तबके से क्यों न हो, आज का दिन उसकी हैसियत ऊंचा उठाने वाला होगा।' वर्तमान में ड्रोन एक खतरनाक हथियार बन चुका है। यह आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को बदल रहा है, जिसमें, कहीं छोटे देश भी महाशक्तियों की सैन्य ताकत का मुकाबला कर रहे और धूल चटा रहे हैं। यह होते हमने रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-इस्राइल-ईरान संघर्ष में देखा है।

गोलियथ (विशालकाय योद्धा) का मुकाबला डेविड इसलिए कर पाया कि उसने पास नए मारक हथियार के रूप में गुलेल थी, आज वही गुलेल ड्रोन का रूप धर चुकी है। सस्ते और बड़े पैमाने पर बनने वाले ड्रोनों ने विशाल सेनाओं व जंगी बेड़ों का मुकाबला करने में कामयाबी हासिल की है। आइए रूस का उदाहरण लें। रूस लंबे समय से यूक्रेन पर हमला करने और कब्जे में लेने की योजना बना रहा था। निरंतर अपना विस्तार कर रहे नाटो ने उसे ऐसा करने का बहाना दे दिया; नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाकर, रूसी सीमाओं तक पहुंचकर उसके लिए खतरनाक बनना चाहा। रूसियों ने 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किया, जो कि दरअसल एक पूर्ण-स्तरीय हमला था।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि कुछ ही दिनों में यह अभियान पूरा हो जाएगा। टीवी पर बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले यूक्रेन में घुसते देखे गए। हालांकि, उन्होंने दुश्मन को कमतर आंकने की बड़ी गलती की। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो का समर्थन मिला, खासकर हथियार, गोला-बारूद और खुफिया जानकारी के मामले में। धीरे-धीरे रूसी सेना मुश्किलों में फंसती गई। यूक्रेन ने शनैः-शनैः विशाल रूसी सेना की बढ़त रोक दी। 'द हिंदू' के हालिया लेख में कहा गया : 'यूक्रेन ने आम ड्रोन, जो आम लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाए गए थे, को तेजी से जासूसी और हमलावर प्रणाली में

बदल दिया। जो फौरन निर्णायक युद्ध क्षमता में बदल गई, क्योंकि छोटे क्वाडकॉप्टर और फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को हथियारों से लैस कर कम लागत वाली किंतु सटीक निशाना लगाने वाली हथियार प्रणाली के तौर पर प्रयोग किया।' ड्रोन तबाही मचाने वाले सक्रिय हथियार बन गए और 2024 तक, यूक्रेनी सेना की लगभग हर टुकड़ी उससे लैस हो गई। तब से ड्रोन का विकास बहुत तेज़ी से हुआ। ड्रोन ने युद्ध की दिशा-दशा बदल दी; बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय, यूक्रेन अब रूस के गहरे अंदर तक हमले कर रहा। 'तीन दिन' का अभियान ऐसे युद्ध में बदल गया है, जो अब पांचवें साल में है।

इस संदर्भ में ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है। अमेरिकियों ने खाड़ी क्षेत्र में विशाल सैन्य बेड़े भेजे, सैनिक जमा किए और अपनी ताकतवर वायु सेना को तैनात किया, साथ ही ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। इसके बाद, इस्राइल संग मिलकर हवाई हमले किए और ईरान के आध्यात्मिक, सैन्य और खुफिया नेतृत्व को खत्म कर दिया, और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने तक की धमकी दी। अमेरिका ने ईरानियों की सभ्यतागत जीवट और इतिहास, तथा लाखों ड्रोन और मिसाइलों बनाने में उनकी तरक्की, उनके दूसरे एवं तीसरे स्तर के उनके नेतृत्व, और रणनीतिक व सामरिक सूझबूझ को अनदेखा किया—अहंकार और गलतियों ने फिर एक महाशक्ति को मात दे दी।

ईरानियों ने ड्रोन और मिसाइलों से खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए। इस्राइल पर भी ऐसे हथियारों से लगातार हमले किए। व्यापारिक जहाजरानी पर ड्रोन व मिसाइल हमलों के भय का इस्तेमाल कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद कर देना, रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक रहा; इसने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया। पुनः, एक प्रतिबद्ध सेना के हाथ में बड़ी संख्या में आम ड्रोनों ने क्षमता से कहीं ज़्यादा असर दिखाया और एक महाशक्ति व उसके सैन्य तंत्र को ठप कर डाला।

जैसे-जैसे ड्रोन से शक्ल पाकर 'अनघड़ लड़ाई' युद्धक्षेत्र का स्वरूप बदल रही है, इतिहास में इस किस्म की उथलपुथल से आगे चलकर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन होते आए हैं। अंग्रेज़ों का 'लॉन्गबो' इसका उदाहरण था। इतिहास में ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं। जैसे-जैसे सत्ता का संतुलन बदलता है और पुरानी व्यवस्था टूटती है, नए साम्राज्य और गठबंधन बनते हैं। इस प्रक्रिया में कितना समय लगेगा, कोई नहीं जानता, लेकिन 'बदलाव' की प्रक्रिया अपरिहार्य है।

सवाल है कि इन सबका भारत पर क्या असर पड़ेगा। मैंने अपने पिछले लेखों में चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश गठजोड़ के बारे में जिक्र किया है। जैसे-जैसे अमेरिका और चीन पर पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ेंगी (इस बाबत उसने जम्मू-कश्मीर को लेकर कई बार खुलकर कहा)। अमेरिका और रूस की गलतियों का फायदा चीन को ही होगा और वह उत्तर-पूर्व और लद्दाख में इलाकाई विवाद के अलावा भारत के साथ व्यापार के मामले में भी आक्रामक रुख अपनाए है।

21वीं सदी में जो एआई, रोबोट, ड्रोन और उर्जा उपयोग परिवर्तन का युग है- सैन्य और आर्थिक नए गठबंधन बनेंगे। अमेरिका पहले ही पुरानी मुक्त-व्यापार व्यवस्था भंग कर नए बदलाव लागू कर रहा है। चीन व उसकी औद्योगिक-व्यापारिक ताकत ने ही बदलाव करने को मजबूर किया। 18वीं और 19वीं सदी में, 'बड़ी ताकतों' में दुनिया को अपना उपनिवेश बनाने और उनके संसाधन उड़ाने की होड़ थी। आज, एक बार फिर सत्ता का पहिया घूम रहा है क्योंकि बड़ी ताकतें नियंत्रण और दबदबे के लिए होड़ कर रही हैं। इस उथल-पुथल भरे दौर में भारत को फौरन अपनी दिशा खोजनी होगी। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पूर्व में लगातार ड्रोन घुसपैठ कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स की तस्करी के लिए किया जा रहा है। उत्तर-पूर्व, जम्मू-कश्मीर आदि में जारी तनावपूर्ण मुद्दों को सबको साथ लेकर चलने की भावना के साथ सुलझाना चाहिए। एकजुट होकर, देश को रणनीतिक साझेदारी और कूटनीति के ज़रिए अपने गठबंधनों को मज़बूत करने चाहिये।

रूस और अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए, भारत को अपनी लघु और दीर्घ कालीन सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और नए हथियार प्रणाली खरीदने के अलावा नूतन प्रतिकार उपाय अपनाने की ज़रूरत है।

**लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## बीएसपी की सुरक्षा, विस्तार और रोजगार पर विधायक सेन ने की चर्चा, लौह चोरी रोकने और औद्योगिक विकास पर हुई बातचीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने शनिवार को भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार से सौजन्य भेंट कर संयंत्र की सुरक्षा, उत्पादन, विस्तार और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

विधायक सेन ने संयंत्र में वर्षों से सामने आती रही लौह एवं स्क्रैप चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना आवश्यक है।

बैठक में बीएसपी के विस्तार, आधुनिकीकरण और नई परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। विधायक सेन ने कौशल विकास और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की बात रखी।

श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, कार्यस्थल की बेहतरी और कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। विधायक सेन ने श्रमिक कल्याण को औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया।

दोनों पक्षों ने भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रगति, सुरक्षा और क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए निरंतर संवाद एवं सहयोग बनाए रखने पर सहमति जताई। विधायक सेन ने विश्वास व्यक्त किया कि बीएसपी के सशक्त होने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

## प्रमुख खबरें

### योग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा और पंचकर्म का भी लाभ लिया लोगों ने

**भिलाई।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में लोकांगन, वैशाली नगर, भिलाई में आयोजित पाँच दिवसीय निशुल्क योग स्वास्थ्य शिविर का चौथा दिन शनिवार अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं जनसहभागिता के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में साधकों ने सहभागिता करते हुए योग, प्राणायाम, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परामर्श का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन में मुख्य रूप से मनोरमा पाण्डेय, यशोधरा साहू, श्रीनिवास राव एवं शत्रुघ्न साहू उपस्थित रहे। शिविर का संचालन विधायक रिकेश सेन के साथ नरेन्द्र पटेल एवं शंभू प्रसाद कुशवाहा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आज के विशेष सत्र में 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। उपस्थित साधकों को योग दिवस पर किए जाने वाले सभी अभ्यासों का क्रमबद्ध एवं व्यवहारिक अभ्यास कराया गया ताकि अधिक से अधिक लोग योग दिवस कार्यक्रम में प्रभावी सहभागिता कर सकें। आयोजकों ने जानकारी दी कि पतंजलि योग समिति के अनुभवी प्रशिक्षक आगामी 21 जून को 50 से अधिक स्थानों पर सरकारी, गैर-सरकारी एवं सामाजिक संस्थाओं में निःशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करेंगे तथा जन-जन तक योग का संदेश पहुँचाएंगे।

### स्वास्थ्य कर्मियों को जोखिम भत्ता देने की मांग उठाई

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मियों को जोखिम भत्ता देने की मांग उठाई है। जारी बयान में सैयद असलम ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य कर्मचारियों को ग्रेड पे अनुसार जोखिम भत्ता प्रतिमाह देते आ रही है। इन स्वास्थ्य कर्मचारियों में चिकित्सक से लेकर आया तक और फील्ड में स्वास्थ्य संयोजक, स्वास्थ्य सुपरवाइजर, एल एच व्ही,बी ई टी ओ, अस्पतालों मे हर संवर्ग के रेडियोग्राफर ,फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, लैब सहायक, ड्रेसर , सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, वार्ड ब्वाय सहित पर्ची बनाने वाले ऑपरेटर तक सभी गंभीर संक्रमण रोग वाले मरीजों के सीधे संपर्क में आते हैं। टी बी, फ्लू, कुष्ठ, डेंगू और मलेरिया के साथ साथ अन्य संक्रामक इन लोगों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि रेडियोग्राफर को एक्स रे मशीन के कारण रेडिएशन के प्रभाव का जोखिम हमेशा बना रहता है। हालांकि प्रदेश मे प्रति माह रेडिएशन भत्ता सिर्फ रेडियोग्राफर को 50 रूपए प्रतिमाह मिलता है। इसमें भी 1985 के बाद से आज तक बदलाव नहीं नहीं किया गया है। रेडिएशन अत्यधिक शरीर पर पड़ने से कैंसर होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

## खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग लीगः भिलाई में सैकड़ों बालिकाओं ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भारतीय खेल प्राधिकरण भारत सरकार एवं साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन में साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़, साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिक्ट एवं बीएसपी साइक्लिंग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में भिलाई में अस्मिता साइक्लिंग लीग जिला स्तर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 328 महिला-बालिका प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यह प्रतियोगिता 3 वर्गों में आयोजित की गई सब जूनियर बालिका (16 वर्ष से कम) में प्रथम शीतल द्वितीय वंदना एवं तृतीय साक्षी सलामे रहीं, जूनियर बालिका (17 एवं 18 वर्ष आयु वर्ग) में प्रथम इशिता सिन्हा, द्वितीय मेघा साहू व तृतीय पुष्पांजलि रही वही सीनियर महिला (18 वर्ष से ऊपर ) में प्रथम हीना द्वितीय प्रभा एवं तृतीय स्थान पर बबीता मलिक रहीं। पड़ा विजेता खिलाड़ियों को मेडल तथा समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद व मुख्य संरक्षक साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफछत्तीसगढ़ विजय बघेल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर नीरज पाल मौजूद रहे। साथ ही संरक्षक साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ विनोद खांडेकर, अध्यक्ष बीएसपी साइक्लिंग क्लब नरेंद्र कुमार बंछोर, परविंदर सिंह अध्यक्ष बीएसपी साइकिल पोलो क्लब, डॉ रमेश श्रीवास्तव अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ रहे।

साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक चन्नावार एवं साइक्लिंग एसोसिएशन के ऑफ दुर्ग डिस्ट्रिक्ट के सचिव देवप्रकाश वर्मा ने बताया कि अस्मिता साइक्लिंग लीग महिला वर्ग के लिए समस्त खेलों में भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित किया जाता है। इस आयोजनका उद्देश्य स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं खेल के क्षेत्र में नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर तोषेंद्र वर्मा, ईवी सुनील, देवप्रकाश वर्मा, शशांक देशमुख, बीना मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, शशिकांत पांडे, मोहित कुमार, जावेद कुरैशी, नीरज मिश्रा, आकांक्षा मिश्रा पीटीआई भेषिका वर्मा, विद्या नायर, डॉ मेजर सिंह, हरभजन सिंह, रोहित पटेल आदि उपस्थित रहे।

## कुटेश्वर माइंस में चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन, नवीन डेंटल चेयर का हुआ उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएच एंड आरसी), भिलाई के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर ने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशिक किशोर के साथ कुटेश्वर माइंस का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कुटेश्वर चिकित्सालय एवं डिस्पेंसरी में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

दौरे के दौरान डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर ने कुटेश्वर डिस्पेंसरी में नवस्थापित डेंटल चेयर का उद्घाटन किया। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, रोगी सुविधाओं तथा स्वास्थ्य अधोसंरचना का निरीक्षण करते हुए चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, उन्होंने गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

इस अवसर पर चिकित्सा सेवाओं से संबंधित विभिन्न चुनौतियों, आवश्यकताओं एवं सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। डॉ. ठाकुर ने रोगी देखभाल की गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा चिकित्सा सुविधाओं के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उनके मार्गदर्शन से कुटेश्वर माइंस में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर कुटेश्वर माइंस चिकित्सा टीम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार तथा कुटेश्वर माइंस के महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार के सतत मार्गदर्शन, सहयोग एवं प्रोत्साहन के प्रति आभार व्यक्त किया।

## बेहतर जीवन शैली के लिए योग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रिसाली।** बेहतर जीवन शैली के लिए योग आवश्यक है। योग शरीर को निरोग बनाने में सहायक है। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा आयोजित बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग लंगर के योगाचार्य के मार्ग दर्शन में लगभग 250 लोगों ने योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम आरंभ करने से पहले महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी सनीर साहू ने शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम की शुरुवात की। बाद में योग लंगर मैदान में अशोक महेश्वरी के मार्ग दर्शन में योगाभ्यास कराया गया। इस अवसर पर पूजा ललित चंद्राकर, पार्षद धर्मेंद्र भगत, डॉ. सीमा साहू, माया यादव, ममता सिन्हा, रमा साहू, सुनंदा चंद्राकर, सविता ढवस, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। आभार प्रदर्शन निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने की।

### योगा नृत्य बना आकर्षण

योग लंगर में नियमित अभ्यास करने वाले बच्चों ने योगा नृत्य किया। लगभग 15 मिनट के नृत्य में बच्चो ने संगीत में विभिन्न आसन दिखाए। प्रस्तुति के बाद अतिथियों ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने योग नियमित करने के लिए स्थल में मौजूद लोगों को शपथ दिलाई।

## भिलाई में वेस्ट से बेस्ट की मिसालः महिला समूह कबाड़ से बना रही आकर्षक सजावटी सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 42 गौतम नगर खुर्सीपार स्थित एस.एल.आर.एम. (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) सेंटर में मणीकंचन महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। यहां वार्डों से प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे और कबाड़ सामग्री को उपयोगी एवं आकर्षक सजावटी वस्तुओं में बदलकर 'वेस्ट से बेस्ट' की अवधारणा को साकार किया जा रहा है।

खुर्सीपार स्थित एस.एल.आर.एम. सेंटर में पहुंचने वाले सूखे कचरे का पृथक्करण कर प्लास्टिक, टायर, बोतल, डिब्बे एवं अन्य अनुपयोगी सामग्रियों को अलग किया जाता है। इसके बाद महिला समूह की सदस्य अपनी रचनात्मकता का उपयोग करते हुए इन कबाड़ वस्तुओं से सुंदर गमले, सजावटी शोपीस, गार्डन डेकोरेशन सामग्री, हैंगिंग आइटम, टेबल डेकोरेशन और घरों के प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाने वाले विभिन्न उत्पाद तैयार कर रही हैं। महिलाओं द्वारा तैयार की गई सामग्री न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि लोगों को कचरे के पुनः उपयोग के प्रति भी जागरूक कर रही है। इन उत्पादों का उपयोग घरों, कार्यालयों और उद्यानों की सुंदरता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का कहना है कि इस पहल से एक ओर कचरे का बेहतर प्रबंधन हो रहा है, वहीं दूसरी ओर महिला समूहों को रोजगार एवं आय का अतिरिक्त स्रोत भी प्राप्त हो रहा है। यह प्रयास स्वच्छ भारत मिशन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

महिला समूह की इस अभिनव पहल की स्थानीय नागरिकों द्वारा भी सराहना की जा रही है। लोगों का मानना है कि ऐसे प्रयास न केवल शहर को स्वच्छ बनाने में मदद करते हैं, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का कार्य भी करते हैं।

## बीएसपी में नवीन सुरक्षा एवं डिजिटलीकरण पहलों से कार्यस्थल सुरक्षा को मिला बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा परिचालन प्रक्रियाओं में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों में अनेक नवीन तकनीक आधारित पहलें लागू की गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य मानव एवं मशीन के बीच प्रत्यक्ष संपर्क को न्यूनतम करना, दुर्घटना की संभावनाओं को कम करना तथा परिचालन दक्षता एवं विश्वसनीयता में वृद्धि करना है।

ओर हैंडलिंग प्लांट (ओएचपी) में विद्यमान जाम पहचान प्रणाली को उन्नत करते हुए प्रॉक्सिमिटी सेंसिंग तकनीक से युक्त इलेक्ट्रो-मैकेनिकल टिल्टिंग डिवाइस स्थापित किया गया है। यह उन्नत प्रणाली कन्वेयर अवरोधों की सटीक पहचान सुनिश्चित करती है, अनावश्यक ट्रिपिंग को रोकती है तथा सामग्री के ओवरफ्लो की संभावना को कम करते हुए उपकरणों की विश्वसनीयता एवं परिचालन सुरक्षा में वृद्धि करती है।

बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) में क्रेन परिचालन के दौरान कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक नवीन क्रेन बोर्डिंग प्रणाली विकसित की गई है। इस प्रणाली के माध्यम से ऑपरेटर की सहायता से क्रेन को सुरक्षित रूप से रोका जा सकता है, जिससे अचानक रुकने, लोड के अनियंत्रित झूलने तथा अन्य परिचालन जोखिमों में कमी आती है। क्रेन पर स्थापित टॉगल स्विच के सक्रिय होने पर ऑपरेटर के केबिन में संकेतक प्रकाश प्रदर्शित होता है, जिससे सुरक्षित रूप से क्रेन को रोककर कर्मियों के चढ़ने एवं पुनः संचालन प्रारंभ करने की प्रक्रिया सुनिश्चित होती है।

वहीँ स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) के बोरिया स्टोर कॉम्प्लेक्स स्थित बेल्ट एवं मैकेनिकल समूह में रेडियो रिमोट नियंत्रित ओवरहेड क्रेन प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के माध्यम से ऑपरेटर बेहतर दृश्यता वाले सुरक्षित स्थान से क्रेन का संचालन कर सकते हैं, जिससे लटके हुए भार के संपर्क में आने का जोखिम कम हुआ है। साथ ही इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा सामग्री प्रबंधन की दक्षता में भी सुधार हुआ है।

इसी प्रकार स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एसएमएस-3) में डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन्नत लैडल ट्रैकिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। यह प्रणाली स्वचालन, रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित विश्लेषण से युक्त है। इसके माध्यम से लैडल की स्थिति एवं गतिविधियों की सतत निगरानी संभव हुई है, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनी है, मैनुअल हस्तक्षेप में कमी आई है तथा परिचालन सुरक्षा एवं दक्षता को बढ़ावा मिला है।

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी ने बताया कि ये पहलें संयंत्र में सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ बनाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा कर्मचारी-केंद्रित कार्य संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सतत अभियान का हिस्सा हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्पादन एवं सेवा क्षेत्रों में तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों के माध्यम से बीएसपी सुरक्षित, दक्ष एवं आधुनिक कार्यस्थल के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास-खबर

### बेहतर खेती, बेहतर भविष्य, नैनो तकनीक अपना रहे किसान

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने तथा खेती को अधिक लाभकारी, किफायती और टिकाऊ बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त हो सके और उनकी आय में वृद्धि हो। इसी दिशा में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे उन्नत कृषि नवाचार किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। किसानों के बीच इन उर्वरकों की बढ़ती स्वीकार्यता आधुनिक कृषि नवाचारों के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। कोरबा जिले के ग्राम बाता निवासी कृषक श्री ब्रजेश कुमार रात्रे नैनो उर्वरकों के सफल उपयोग के उदाहरण हैं। कृषक श्री रात्रे लगभग एक एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। खरीफसीजन के लिए सहकारी समिति कनबेरी से उन्होंने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया लिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष पहली बार अपनी फसल में नैनो उर्वरकों का उपयोग किया था।

### अब 'सेवा-सेतु केंद्र' से मिलेंगी 442 डिजिटल सेवाएं

**रायपुर।** राज्य शासन ने नागरिक सेवाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और डिजिटल रूप से सुलभ बनाने की दिशा में पहल करते हुए प्रदेश में संचालित लोक सेवा केंद्रों का उन्नयन कर उन्हें अब सेवा-सेतु केंद्र नाम दिया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर अधिकतम शासकीय एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराया जाएगा। पूर्व में लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से 73 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं अब सेवा-सेतु केंद्रों के जरिए 442 सेवाएं नागरिकों को प्रदान की जा रही हैं। इससे शासन की सेवाएं गांव-गांव और आमजन तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। नई व्यवस्था से समय, श्रम और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ सेवाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। राज्य शासन द्वारा सेवा - सेतु केंद्रों की एक समान पहचान स्थापित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

### उर्वरक वितरण में अनियमितता पर 5 कृषि केंद्रों के लाइसेंस निलंबित, एक का लाइसेंस निरस्त

**रायपुर।** जांजगीर-चांपा जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कृषि विभाग द्वारा निजी कृषि केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। उप संचालक कृषि राकेश शर्मा ने बताया कि जिला एवं विकासखंड स्तर के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा खरीफसीजन को देखते हुए निजी कृषि केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसानों को शासकीय दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान मेसर्स राजेश ट्रेडर्स नवागढ़, मेसर्स पटेल कृषि केन्द्र तुस्मा, मेसर्स रोशन कुमार अग्रवाल पोड़ी, मेसर्स विकास ट्रेडर्स खरौद तथा मेसर्स प्रकाश कृषि केन्द्र खरौद में पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक में अंतर, किसानों को सत्यापित कैश मेमो जारी नहीं करना, लाइसेंस प्रदर्शित नहीं करना, उर्वरक वितरण रजिस्टर का संधारण नहीं करना तथा निर्धारित मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं पाई गईं।

# ड्रोन दीदी अभियान से कृषि क्षेत्र में तकनीक और मातृशक्ति का होगा सशक्त संगम : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा महिला किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 'ड्रोन दीदी अभियान' अंतर्गत महिला कृषकों का 5 सदस्यीय दल ड्रोन पायलट प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रायपुर रवाना हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी स्थित कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र परिसर से दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है और ड्रोन तकनीक खेती-

किसानी को अधिक वैज्ञानिक, प्रभावी और लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि 'ड्रोन दीदी अभियान' केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी मातृशक्ति आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही है। कृषि क्षेत्र में भी महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि अपने गांवों और क्षेत्रों के अन्य किसानों को भी नई तकनीकों से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी।

खेती को मिलेगा आधुनिक तकनीक का लाभ मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ड्रोन तकनीक के माध्यम से फसलों पर उर्वरक एवं कीटनाशकों का छिड़काव कम समय में अधिक सटीकता और प्रभावशीलता के साथ किया जा सकता है। इससे समय, श्रम और लागत की बचत होने के साथ-साथ कृषि उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ड्रोन जैसी नवीन तकनीकों के उपयोग से खेती अधिक सुविधाजनक, टिकाऊ और लाभकारी बन रही है।

ड्रोन दीदी अभियान के अंतर्गत महिला किसानों को ड्रोन संचालन, रखरखाव, सुरक्षा मानकों तथा कृषि कार्यों में ड्रोन के उपयोग संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये महिलाएं ड्रोन पायलट के रूप में कार्य करने के साथ-साथ अन्य किसानों को भी तकनीक आधारित कृषि पद्धतियों के उपयोग के लिए प्रेरित करेंगी।

इस पहल से महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीक आधारित कृषि सेवाओं का विस्तार होगा। प्रशिक्षित महिलाएं कृषि कार्यों में ड्रोन सेवाएं उपलब्ध कराकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना ग्रामीण विकास और विकसित कृषि व्यवस्था की कल्पना अधूरी है। ड्रोन दीदी अभियान महिला सशक्तिकरण, आधुनिक कृषि और ग्रामीण आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रहा है। उल्लेखनीय है कि 'ड्रोन दीदी अभियान' का उद्देश्य महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें कृषि क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। यह पहल 'तकनीक से सशक्त महिला, समृद्ध किसान और विकसित कृषि' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले को दी 9.65 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

### 9 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पणः सड़क, विद्युत और ग्रामीण अधोसंरचना को मिलेगी नई मजबूती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुनकुरी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के 9 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों की कुल लागत 9 करोड़ 65 करोड़ रुपये है, जिसमें 4 कार्यों का भूमिपूजन तथा 5 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सुविधाएं, अवसर और समृद्धि लेकर आते हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क, विद्युत, स्वच्छता और ग्रामीण अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर कार्य कर रही है। विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री साय ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत कुल 6 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत वाले 4 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 31.68 लाख रुपये की लागत से फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 10 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत पगुराबहार के बेहराटोली में भजनो घर के पास पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 220.82 लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत चराईडांड़ के मलेरिया बस्ती से राष्ट्रीय राजमार्ग-43 तक 2 किलोमीटर पहुंच मार्ग निर्माण तथा 412.48 लाख रुपये की लागत से घासीमुंडा से कोरवाटोली (ग्राम पंचायत कोहपानी) तक 3.10 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों की आवागमन सुविधा बेहतर होगी तथा सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कुल 2 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित चार कार्यों का लोकार्पण किया गया। इनमें ग्राम पंचायत जोकबहला के हरिजन बस्ती पहुंच मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण, ग्राम पंचायत जोकारी में मधेश्वर महादेव पहाड़ मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण, ग्राम पंचायत डोडापानी के डुमरटोली बस्ती में सीसी रोड निर्माण तथा ग्राम पंचायत हेठघींचा में उपरघींचा से घुड़ाजोर मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य शामिल हैं।

लोकार्पण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा 2.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11 केवी, 3.15 एमवीए विद्युत उपकेंद्र कुडूकेला का भी लोकार्पण किया। इस विद्युत उपकेंद्र के प्रारंभ होने से जामटोली, गड़बहार, टुकूपानी, बरटोली, पंडरा, सुखापोखर, जामचुवां, कुडूकेला, सरडीह, गिनाबहार, टोप्पो बागान, रेंगारघाट, सियावर चौक, चटकपुर, बेने, बासनटोली, कुहुमुड़ा, भेलवाटोली तथा नवापारा सहित अनेक गांवों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी।

इससे क्षेत्र के कृषि कार्यों, घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सीधा लाभ मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे विकास कार्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## उप मुख्यमंत्री शर्मा ने भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम नेउरगाँव खुर्द में भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की एकजुटता, देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना की सराहना करते हुए कहा कि नेउरगाँव खुर्द ने पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरणीय बनाए रखने के लिए ग्रामीणों द्वारा किया गया यह प्रयास समाज में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता का अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक परिसर के निर्माण की शुरुआत उनकी विधायक निधि से प्रदत्त 3.50 लाख रुपए की राशि से हुई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसे केवल एक निर्माण कार्य न मानकर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक बना दिया। इसके लिए गाँव के हर घर से कुछ ना कुछ सहयोग प्रदान किया गया और ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और जनभागीदारी से स्वयं चंदा एकत्र कर लगभग 10 लाख रुपए की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण कराया।

'नई पीढ़ी को मिलेगी देश के वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा'

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि गाँव का सामूहिक प्रयास सामाजिक एकता, सद्भाव और राष्ट्रभक्ति की उत्कृष्ट मिसाल है। ऐसे कार्य नई पीढ़ी को देश के वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, रामकिंकर वर्मा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

## उप मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से दिव्यांग जीवराखन पटेल को मिली स्कूटी, एक दिन में पूरी हुई मांग

### त्वरित पहल से आवागमन और व्यवसाय दोनों को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** संवेदनशील जनसेवा और त्वरित समाधान की मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने दिव्यांग हितग्राही की मांग को केवल सुना ही नहीं, बल्कि एक दिन के भीतर पूरा भी कराया। ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग जीवराखन पटेल ने आवागमन और रोजगार में हो रही कठिनाइयों को लेकर स्कूटी की मांग रखी थी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन उन्हें स्कूटी उपलब्ध कराई गई। आज कवर्धा विधायक कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ने जीवराखन पटेल को स्कूटी प्रदान की।

कबीरधाम जिले के ग्राम नेऊरगांव खुर्द में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग जीवराखन पटेल ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर आवागमन में होने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया था। उन्होंने अपनी दैनिक गतिविधियों और रोजगार से जुड़े कार्यों में सुविधा के लिए सहायक उपकरणयुक्त स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश। संवेदनशील पहल का परिणाम रहा कि सिर्फएक दिन के भीतर जीवराखन पटेल को विधायक कार्यालय, कवर्धा में स्कूटी प्रदान कर दी गई।

**आवागमन के साथ व्यवसाय बढ़ाने में मिलेगी मदद**

स्कूटी प्राप्त करने के बाद जीवराखन पटेल की खुशी देखते ही बन रही थी। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने घर के लिए एक छोटी फोटो फ्रेमिंग की दुकान संचालित करते हैं। अब स्कूटी मिलने से न केवल उनके व्यक्तिगत आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे वे अधिक आत्मनिर्भर होकर अपने कार्यों का विस्तार कर सकेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जीवराखन पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूटी का उपयोग करते समय यातायात नियमों का पालन, अपनी तथा अन्य लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखने और हेलमेट का नियमित उपयोग करने की सलाह भी दी।

# जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला और संस्कृति से एकाकार होते है तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज लोकभवन में 3 राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में पश्चिम बंगाल, गोवा और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला, संस्कृति और जीवन-शैली से एकाकार होते हैं, तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक-दूसरे राज्य की संस्कृति को जानना और आदान-प्रदान करना है।

राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने हमें कई ऐसे महापुरूष दिए है जिन्होंने देश और समाज की दिशा ही बदल दी। बंकिमचंद्र चटर्जी के वंदे मातरम् गीत ने सारे

देश में जागरण लाया। स्वामी विवेकानंद ने भारत की संस्कृति का पूरे विश्व में प्रचार-प्रचार किया। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन कर समाज को नई दिशा दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में बहुत बड़ी भूमिका निभाई । उन्होंने कहा कि बंगाल में समृद्ध व्यापार के साथ-साथ समृद्ध संस्कृति भी रही है।

उन्होंने गोवा राज्य का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे छोटा राज्य क्षेत्रफल में भले ही लघु हो किन्तु इसकी सांस्कृतिक समृद्धि अतुलनीय है। यहां पुर्तगाली और भारतीय संस्कृति का अनोखा मिश्रण दिखाई देता है। पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए यह राज्य अग्रणी है। उन्होंने तेलंगाना राज्य की विशेषताओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि हैदराबाद आईटी और तकनीकी क्षेत्र में विश्व के अग्रणी केन्द्र के रूप में जाना जाता है।

श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ और इन तीनों राज्यों के मध्य सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय संबंध बहुत गहरे हैं। हमारे प्रदेश के लोग भी इन राज्यों की सांस्कृतिक यात्राओं से समृद्ध होते हैं और अपनी परंपराओं को उनके साथ साझा करते हैं। एक दूसरे से सीखना, एक दूसरे से जुड़ना और मिलकर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव रखना यही 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की वास्तविक भावना है।

समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। जगदलपुर के ट्री मेन और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने वाले सम्पत झा सहित रिनी छाबड़ा, सीमा गुप्ता, ललिता पैकरा और तूलिका पाण्डेय को राज्यपाल ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

### 24 घंटे अध्ययन सुविधा, डिजिटल लाइब्रेरी, 50 हजार पुस्तकों और स्मार्ट सुविधाओं से सुसज्जित होगा नालंदा परिसर

# मुख्यमंत्री ने सलियाटोली में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड के सलियाटोली ग्राम में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। लगभग 4 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस 250 सीटर अत्याधुनिक परिसर के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। नालंदा परिसर युवाओं को अध्ययन, मार्गदर्शन और आत्मविकास के लिए एक आधुनिक

एवं प्रेरणादायी वातावरण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह परिसर जशपुर जिले के विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि नालंदा परिसर के निर्माण का प्लिंथ लेवल कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयावधि में परियोजना को पूर्ण करने के निर्देश दिए। परिसर को पर्यावरण अनुकूल स्वरूप प्रदान करने के लिए सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली विकसित की जाएगी तथा 50 से अधिक देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाएगा। युवाओं के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए परिसर में यूथ टावर, स्पोर्ट्स कोर्ट, कैफेटेरिया, एटीएम और हेल्थ जोन जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

इसके अतिरिक्त आरएफआईडी आधारित प्रवेश प्रणाली, बायोमेट्रिक पहचान व्यवस्था तथा आधुनिक पुस्तक प्रबंधन प्रणाली जैसी स्मार्ट सुविधाएं इसे एक आधुनिक और तकनीक-सक्षम अध्ययन केंद्र का स्वरूप प्रदान करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नवाचारपूर्ण शैक्षणिक केंद्र युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराएंगे और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

**अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा नालंदा परिसर**

निर्माणाधीन नालंदा परिसर को आधुनिक शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। परिसर में विद्यार्थियों के लिए 24 घंटे अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। यहां इंडोर एवं आउटडोर स्टडी जोन, ऑक्सी रीडिंग जोन, डिजिटल लाइब्रेरी, वाई-फाई जोन तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित 50 हजार से अधिक पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी।

## अब होगा हिसाब की शूटिंग के दौरान घर जैसा महसूस हुआ

# एक्ट्रेस निमृत कौर ने बताया अनुभव

**अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज अब होगा हिसाब को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह पंजाब की लड़की का किरदार निभा रही है। इस सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। निमरत कौर अहलूवालिया ने कहा, इस सीरीज में मैं पंजाब की लड़की का किरदार निभा रही हूं। चूंकि मैं खुद भी पंजाबी हूं, इसलिए शूटिंग के दौरान मुझे हर चीज काफी जानी-पहचानी लगी। पंजाब की भाषा, वहां के लोग और वहां की संस्कृति मेरे लिए कुछ भी नई नहीं थी।**

यही वजह रही कि किरदार निभाते समय मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ और मेरा प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से सामने आया। अभिनेत्री ने कहा, शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे मैं किसी सेट पर नहीं बल्कि अपने घर में हूं। आसपास का माहौल और लोगों से बातचीत के चलते मैं जल्दी ही उस वातावरण में घुल-मिल गई। मेरा मानना है कि जब कलाकार अपने माहौल से जुड़ा हुआ महसूस करता है, तो उसका असर सीधे उसके अभिनय पर दिखता है। इसी वजह से मैं अपने किरदार में ज्यादा सहज और वास्तविक महसूस कर पाई।

निमृत कौर ने कहा, इस प्रोजेक्ट में मुझे सबसे बड़ी राहत इस बात की थी कि मुझे किसी नई जगह या नई संस्कृति में खुद को ढालने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं बिना किसी दबाव के सीधे किरदार की भावनाओं पर ध्यान दे सकी और मैंने पूरी तरह से कहानी में खुद को डूबो दिया।

सीरीज की शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए उन्होंने बताया, इस पूरे सफर को खास बनाने में डायरेक्टर का बड़ा योगदान रहा। डायरेक्टर ने सेट पर ऐसा माहौल तैयार किया जिसमें हर कलाकार खुद को सहज महसूस कर सके। खासकर जब कहानी भावनात्मक रूप से भारी हो, तब एक सकारात्मक माहौल होना बहुत जरूरी होता है।

अभिनेत्री निमरत कौर ने कहा, पूरी टीम के बीच मजबूत तालमेल था। हर कोई एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहा था। मेरे को-स्टार संजय कपूर के साथ काम करना भी मेरे लिए एक खास अनुभव रहा। वह भी मेरी तरह पंजाबी हैं, इसलिए हमारा अलग ही बॉन्ड था। शूटिंग के दौरान हमने खूब सारी बातचीत और हंसी-मजाक किया।

अभिनेत्री ने पंजाब के स्थानीय लोगों की तारीफ करते हुए कहा, यहां के लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया। कई बार स्थानीय परिवारों ने शूटिंग यूनिट के लिए अपने घर का बना खाना भेजा। जब लोग इस तरह से दिल से स्वागत करते हैं, तो शूटिंग टीम खुद को बाहरी नहीं, बल्कि उसी समुदाय का हिस्सा महसूस करने लगती है।

## जैकलीन फर्नांडीज अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म में आएंगी नजर इस महीने शुरू होगी शूटिंग

फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी।

फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीजर और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

## 'हमेशा एक साड़ी वाली लड़की'

# कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं मौनी रॉय

**मौनी रॉय ने अपनी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इनमें वे साड़ी में खूबसूरत पोज देती दिख रही हैं। अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों वेब सीरीज 'अब होगा हिसाब' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह सीरीज 8 जून को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है। मौनी के अलावा इसमें शाहीर शेख और संजय कपूर भी हैं। इस बीच मौनी अपने साड़ी लुक को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।**

मौनी रॉय ने शनिवार को अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वे साड़ी पहने स्टाइलिश पोज देती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'हमेशा एक साड़ी वाली लड़की'।

मौनी रॉय गोल्डन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने लाल रंग के ब्लाउज के साथ कैरी किया है। इसके साथ उन्होंने छोटी सी लाल बिंदी और मैचिंग झुमकों से लुक कंपलीट किया है।

मौनी रॉय का हेयरस्टाइल भी उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। उन्होंने बालों को खुला रखा है। लहराती हुई जुल्फों के साथ पोज देते हुए मौनी बला की खूबसूरत लग रही हैं।

मौनी रॉय की तस्वीरों पर नेटिजंस के ढेर सारे रिएक्शन आ रहे हैं। यूजर्स उन्हें भारतीय कल्चर का चांद कह रहे हैं तो कोई लिख रहा है, 'आपके ऊपर सभी लिबास अच्छे लगते हैं, मगर साड़ी की बात ही अलग है'। मौनी की निजी जिंदगी की बात करें तो पति सूरज नांबियार के साथ उनका सेपरेशन हो गया है। बता दें कि दोनों ने साल 2022 में गोवा में शादी की थी।

# ईथा से सामने आया श्रद्धा कपूर का फर्स्ट लुक, प्रेग्नेंट विठाबाई नारायणगांवकर के किरदार में आई नजर

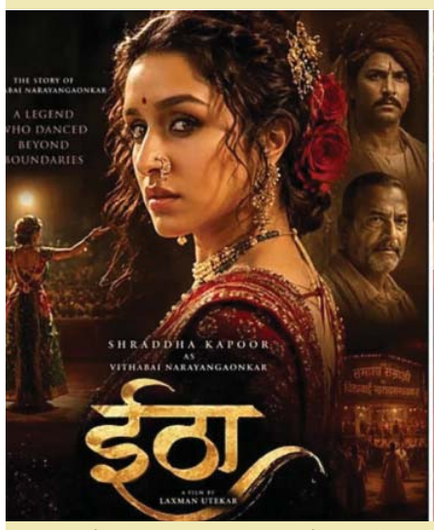

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वो दमदार परफॉर्मेंस के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर छाने के लिए तैयार हैं। लक्ष्मण उटेकर के निर्देशन में बनी ये फिल्म मशहूर महाराष्ट्रीयन तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के जीवन पर बेस्ड है।

ये कहानी 1940 के दशक से लेकर 1990 के दशक तक के उनके सफर को दिखाएगी, जिसमें उनकी सफलता और संघर्ष दोनों को बखूबी पेश किया जाएगा। फिल्म का पहला टीजर कॉकटेल 2 के साथ थिएटर्स में एक्सक्लूसिव तौर पर दिखाया गया। जैसे ही फिल्म का शो शुरू हुआ, दर्शकों को श्रद्धा कपूर की एक हैरान कर देने वाली झलक देखने को मिली, जहां वो लावणी डांसर के रूप में नजर आईं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

ईथा का टीजर मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन के को दिखाता है। श्रद्धा कपूर पहले ही फ्रेम से इस किरदार में पूरी तरह ढलती नजर आती हैं और विठाबाई की ताकत व जज़्बे को बखूबी पेश कर रही हैं।

टीजर में दिखाया गया है कि विठाबाई प्रेग्नेंट होने के बावजूद मंच पर अपनी परफॉर्मेंस जारी रखती हैं। कहानी में एक भावुक मोड़ तब आता है जब परफॉर्मेंस के दौरान उन्हें एहसास होता है कि वो जल्द ही बच्चे को जन्म देने वाली हैं। शो छोड़ने के बजाय वो मजबूती से बैकस्टेज जाती हैं, जहां वो बच्चे को जन्म देती हैं। इसके बाद साहस और हिम्मत दिखाते हुए विठाबाई पत्थर से नाल काटकर फिर से मंच पर लौट आती हैं और अपनी परफॉर्मेंस पूरी करती हैं। उनका ये जज़्बा देख दर्शकों हैरान रह गए हैं।

जैसे ही श्रद्धा कपूर का पहला लुक सोशल मीडिया पर वायरल हुई, फैंस उनकी तारीफ करने लगे। एक फैन ने लिखा, गूजबंप्स आ गए दूसरे ने कमेंट किया, लेडी सुपरस्टार वापस आ गई। वहीं एक और फैन ने लिखा, क्या शानदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और एक्टिंग है। सच में, श्रद्धा कपूर ने कमाल कर दिया। हालांकि मेकर्स की तरफ से अभी तक ये फर्स्ट लुक टीजर ऑफिशियली सोशल मीडिया पर शेयर नहीं किया गया है।

बता दें, फिल्म ईथा 28 अगस्त, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा भी नजर आने वाले हैं। श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 में देखा गया था। अब दर्शक उन्हें इस रुप में देखने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं।

# घर पर बनाई जा सकती हैं ये 5 बॉडी पॉलिश शरीर की सफाई में आएंगी काम

बॉडी पॉलिश का इस्तेमाल त्वचा को साफ और मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। यह त्वचा की गहराई तक सफाई करने के साथ ही मृत त्वचा को हटाने में मदद करती है। हालांकि, बाजार से बॉडी पॉलिश खरीदना महंगा पड़ सकता है। ऐसे में आप घर पर ही कुछ मिनटों में बॉडी पॉलिश बना सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 तरह की बॉडी पॉलिश बनाने का आसान तरीका बताते हैं।

### चायपत्ती और जैतून के तेल की बॉडी पॉलिश

सामग्री: काली चायपत्ती (एक बड़ा चम्मच), जैतून का तेल (एक बड़ा चम्मच), शहद (एक छोटा चम्मच) और नींबू के तेल की कुछ बूंदें। बॉडी पॉलिश बनाने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में चायपत्ती को जैतून के तेल के साथ मिलाएं। फिर इसमें शहद और नींबू के तेल की बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को पूरे शरीर पर लगाएं और 15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

### चायपत्ती और चीनी की बॉडी पॉलिश

सामग्री: काली चायपत्ती (एक बड़ा चम्मच), चीनी (एक बड़ा चम्मच), जैतून का तेल (एक बड़ा चम्मच), शहद (एक छोटा चम्मच) और गुलाब जल की कुछ बूंदें। बॉडी पॉलिश बनाने का तरीका: सबसे पहले एक कटोरी में चायपत्ती और चीनी को मिलाएं। फिर इसमें जैतून का तेल, शहद और गुलाब जल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को पूरे शरीर पर लगाएं और 15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

### बादाम और नारियल के तेल की बॉडी पॉलिश

सामग्री: बादाम का पाउडर (2 बड़े चम्मच), नारियल का तेल (2 बड़े चम्मच), नींबू के तेल की कुछ बूंदें और गुलाब जल की कुछ बूंदें। बॉडी पॉलिश बनाने का तरीका: सबसे पहले बादाम के पाउडर और नारियल के तेल को एकसाथ मिलाएं, फिर इसमें नींबू के तेल की कुछ बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को पूरे शरीर पर लगाएं और 15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

### कॉफी और नारियल के तेल की बॉडी पॉलिश

सामग्री: कॉफी पाउडर (2 बड़े चम्मच), नारियल का तेल (2 बड़े चम्मच), भूरी चीनी (एक बड़ा चम्मच), शहद (एक छोटा चम्मच) और गुलाब जल की कुछ बूंदें। बॉडी पॉलिश बनाने का तरीका: सबसे पहले कॉफी पाउडर, ब्राउन शुगर और नारियल का तेल एकसाथ मिलाएं, फिर इसमें शहद और गुलाब जल की कुछ बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को पूरे शरीर पर लगाएं और 15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

### ओट्स और दूध की बॉडी पॉलिश

सामग्री: ओट्स का पाउडर (2 बड़े चम्मच), दूध (2 बड़े चम्मच), जैतून का तेल (एक बड़ा चम्मच), शहद (एक छोटा चम्मच) और गुलाब जल की कुछ बूंदें। बॉडी पॉलिश बनाने का तरीका: सबसे पहले ओट्स के पाउडर को दूध के साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें, फिर इसमें जैतून का तेल और शहद डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को पूरे शरीर पर लगाएं और 15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

# अर्जुन सर्जा की ब्लास्ट अब ओटीटी पर मचाएगी धमाल, रिलीज डेट हुई अनाउंस

अर्जुन सर्जा की हालिया रिलीज फिल्म 'ब्लास्ट' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म किया है। वहीं फैंस इसके डिजिटल प्रीमियर का भी इंतजार कर रहे हैं। फाइनली अब मेकर्स और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म की डिजिटल रिलीज़ की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है। अर्जुन सर्जा, अभिरामी और प्रीति मुकुंदन स्टारर एक्शन ड्रामा ब्लास्ट साल 2026 की सरप्राइज़ हिट फिल्मों में से एक साबित हुई है। एक्शन, फैमिली इमोशनंस और सोशल थीम के ब्लेंड वाली ब्लास्ट ने तमिल और तेलुगु दोनों बाज़ारों में दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं थिएटर में मिली सफलता और बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म करने के बाद अब यह फिल्म ऑनलाइन स्ट्रीम होने जा रही है। मेकर्स द्वारा की गई अनाउंसमेंट के मुताबिक ब्लास्ट 25 जून से ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज़ होगी, जिससे यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए अवेलेबल हो जाएगी।

उम्मीद के मुताबिक वीकडेज में इसकी कमाई थोड़ी कम हुई है, लेकिन फिल्म थिएटर में मज़बूती से टिकी हुई है। इसकी कामयाबी ने इसे इस सीजन् की अहम तमिल फिल्मों में से एक बना दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लास्ट ने भारत में 19वें दिन (तीसरे सोमवार) 0.93 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। फिल्म ने वीकेंड पर ज़बरदस्त कमाई की थी जिसमें 17वें दिन 2.26 करोड़ रुपये और 18वें दिन 2.65 करोड़ रुपये शामिल हैं। फिलहाल इस फिल्म भारत में कुल नेट कलेक्शन 47.58 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 54.70 करोड़ रुपये है।

ब्लास्ट ने घरेलू मार्केट के अलावा इंटरनेशनल मार्केट में भी अच्छे आंकड़े दर्ज किए हैं। फिल्म ने ओवरसीज में 14.05 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे पता चलता है कि विदेशी दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। घरेलू और इंटरनेशनल कलेक्शन को मिलाकर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 68.75 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

## खास खबर

### तुएगोंदी के आदिवासी समाज की माँग हुई पूर्ण, उल्लास के साथ हुआ पारंपरिक अनुष्ठान

**रायपुर।** बालोद जिले में स्थित जामड़ी पाट में का दिन आदिवासी समाज के लिए बेहद ऐतिहासिक और हर्षोल्लास से भरा रहा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की त्वरित और संवेदनशील पहल के परिणामस्वरूप, आदिवासी समाज की यहाँ पारंपरिक अनुष्ठान करने की माँग आखिरकार पूरी हो गई है। इस सुखद निर्णय के बाद, आज समाज के लोगों ने अपनी गौरवशाली परंपरा जामड़ी पाट में पूजा और रीति-रिवाजों के अनुरूप जलकैना में भव्य अनुष्ठान संपन्न किया। विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आदिवासी समाज के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने जामड़ी पाट में पारम्परिक देवता की अर्चना तथा वहाँ स्थित जलकैना में अपनी पारंपरिक अनुष्ठान की अनुमति को लेकर लंबे समय से चली आ रही माँग रखी थी। समाज की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करते हुए, मुख्यमंत्री ने अविलंब जिला प्रशासन बालोद को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय के आदेशों का पालन करते हुए बालोद जिला प्रशासन की देखरेख में आज जामड़ी पाट में अनुष्ठान का कार्य शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जलकैना (कुंड) में आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार देव-आराधना की।

### बस्तर मॉडल की पूरे देश को सीखः 8241 परिवारों को मिला जमीन पर वैध हक

**रायपुर।** किसी परिवार के मुखिया की मृत्यु हो जाए और वर्षों बाद भी जमीन के सरकारी कागजों में उनका ही नाम दर्ज रहे। ऐसे में परिवार को हर छोटे-बड़े काम के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। बस्तर में हजारों परिवारों की यही समस्या थी। जिला प्रशासन खुद आगे बढ़कर इस परेशानी को दूर करने का काम कर रही है। बस्तर जिले में पिछले चार वर्षों के लंबित फौती नामांतरण मामलों को निपटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य था कि जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी जमीन के रिकॉर्ड में उनके परिवार के सही वारिसों का नाम दर्ज किया जाए। इस काम की शुरुआत गांवों से हुई। ग्राम सचिवों ने पिछले चार वर्षों में मृत्यु को प्राप्त लोगों की सूची तैयार की। इसके बाद पटवारियों ने उन लोगों की पहचान की जिनके नाम पर जमीन दर्ज थी और जिनके मामलों में फौती नामांतरण की जरूरत थी। कोटवारों ने गांव स्तर पर जानकारी का सत्यापन किया और तहसीलदारों ने पूरे अभियान की निगरानी की। अभियान के दौरान बस्तर जिले के 611 गांवों से जानकारी जुटाई गई। ग्राम सचिवों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले चार वर्षों में 17,405 लोगों की मृत्यु दर्ज हुई थी। इनमें से 8,651 ऐसे मामले मिले जिनमें फौती नामांतरण की आवश्यकता थी। इसके बाद ग्राम सचिव, पटवारी और कोटवार की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर ,जिन परिवारों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था।

# बेहतर बाजार व्यवस्था से बढ़ेगी किसानों की आय : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

### औषधीय एवं सुगंधित फसलों के विपणन हेतु हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध, किसानों को मिलेगा बेहतर बाजार

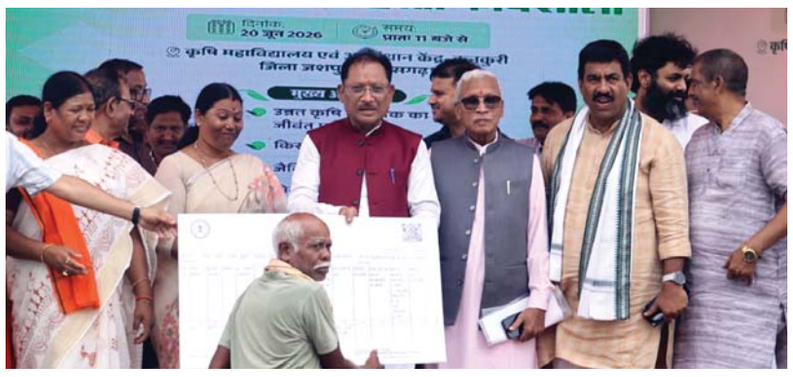

**रायपुर।** किसानों की समृद्धि ही विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला है। आधुनिक कृषि तकनीकों, बेहतर फसल चयन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा सुदृढ़ बाजार व्यवस्था के माध्यम से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों को समृद्ध बनाए बिना विकास का लक्ष्य पूर्ण नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुनकुरी में आयोजित जैविक किसान मेला एवं खेत बचाओ अभियान अंतर्गत प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता तथा मानव स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पूर्व में गोबर खाद, ढैंचा एवं अन्य हरी खादों के उपयोग से खेती अधिक टिकाऊ और भूमि अधिक उपजाऊ रहती थी। आज आवश्यकता है कि परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय कर कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और उर्वरकों के आयात पर निर्भरता को देखते हुए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे विकल्प किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। इनके उपयोग से उत्पादन लागत कम होती है और मिट्टी की गुणवत्ता भी संरक्षित रहती है।

कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रोन तकनीक, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न कृषि प्रदर्शनों का अवलोकन कर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की तथा किसानों से संवाद भी किया। कार्यक्रम में ड्रोन के माध्यम से खेतों में दवा छिड़काव का लाइव प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और उनके उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही कृषि नवाचारों, जैविक खेती, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित जीवंत प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में आयोजित किसान प्रतियोगिता के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित किया। ग्राम खोंगा (मनोरा) के किसान महेश सिंह को जैविक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। ग्राम लाखाझार के किसान श्री सुखराम को 33 किलोग्राम वजन के कटहल उत्पादन तथा ठेठेटांगर के किसान श्री विजय भूषण को ढाई किलोग्राम वजन के आम उत्पादन के लिए सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत कृषक गुप्तेश्वर को भूमि पट्टा भी प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जिला प्रशासन जशपुर एवं सेमिना एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के बीच औषधीय एवं सुगंधित फसलों के विपणन के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध किया गया। इस पहल से जिले के किसानों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होगा तथा मूल्य संवर्धन और विपणन की नई संभावनाएं विकसित होंगी। इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ स्थानीय कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रही है तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की व्यवस्था लागू की गई है। सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों को दो वर्षों का लंबित बोनस प्रदान किया गया तथा शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत चयनित देश की 100 प्रमुख परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ की एकमात्र बगिया दाबयुक्त सिंचाई योजना शामिल है। लगभग 119 करोड़ रुपये की लागत वाली इस योजना से 14 गांवों के लगभग 5 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी। पाइपलाइन के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने वाली इस योजना से भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता भी नहीं होगी।

# पर्यावरण संरक्षण, विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान, ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के लिए रोटेरियन निभाएं सक्रिय भूमिका- राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर ।** राज्यपाल रमेन डेका से रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर के सदस्यों ने लोक भवन में सौजन्य मुलाकात एवं चर्चा की। राज्यपाल ने उन्हें समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

चर्चा के दौरान राज्यपाल ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक संगठित और सेवा भावना से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और जनकल्याण के लिए सभी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि रायपुर शहर में पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और टाइल्स का घेरा बना दिया गया है, जिससे उनकी जड़ों तक पर्याप्त पानी और हवा नहीं पहुंच पाती। उन्होंने रोटेरियन से ऐसे घेरों को हटाने और पेड़ों को पुनर्जीवन देने के लिए सहयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो राज्य को संभावित गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए अभी से जल स्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने रोटरी क्लब से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने महिलाओं में बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रोटेरियन इस दिशा में जनजागरूकता अभियान चलाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और विकास में भी रोटरी क्लब के सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की संस्कृति छत्तीसगढ़ की मूल पहचान और धरोहर है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने रोटेरियन से विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्य करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने कहा कि रोटरी क्लब सामूहिक रूप से तो उत्कृष्ट कार्य करते है, लेकिन प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत स्तर पर भी ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनमें लेने की अपेक्षा देने की भावना हो। इससे जीवन में आत्मिक संतोष और आनंद प्राप्त होता है तथा समाज का भी कल्याण होता है। राज्यपाल ने कहा कि समाज में अनेक ऐसे अनसंग हीरो और हीरोइन हैं, जो बिना किसी प्रचार-प्रसार के उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों को सामने लाकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में रोटरी क्लब महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में वहां के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शासन द्वारा अच्छे कार्य किए जा रहे है।

# मानसून की दस्तक से पहले अबूझमाड़ में मुकम्मल इंतजाम

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** बस्तर के दुर्गम और धुर नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ इलाके में भारी बारिश के दौरान भी ग्रामीणों को राशन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिला प्रशासन ने मानसून के दौरान पहुंचविहीन होने वाले क्षेत्रों के लिए पुख्ता रणनीति तैयार की है। जिले की सभी 39 पहुंचविहीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों में तीन महीने का खाद्यान्न (राशन) एडवांस में भंडारित कर दिया गया है।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बारिश के मौसम में खाद्यान्न वितरण किसी भी हाल में प्रभावित नहीं होना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रशासन केवल राशन भेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि तैनात किए गए नोडल अधिकारी खुद नदी-नाले पार कर इन सुदूर केंद्रों में पहुंच रहे हैं और राशन की बोरियों की गिनती (भौतिक सत्यापन) कर रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक व नोडल अधिकारी ने ओरछा विकासखंड के बेहद संवेदनशील और अंदरूनी ग्राम पंचायत हांदावाड़ा के बेड़मापारा राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया। अधिकारी ने मौके पर जाकर तीन माह के लिए सुरक्षित रखे गए खाद्यान्न के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। सुरक्षा मानकों और भंडारण व्यवस्था को बारीकी से देखने के बाद वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली गई। खाद्य विभाग के मुताबिक, जिले की सभी 39 दुर्गम क्षेत्रों के दुकानों में 100 प्रतिशत अग्रिम भंडारण का काम समय से पहले पूरा कर लिया गया है।

# अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदारी से काम करें, हर जरूरतमंद तक पहुंचे सरकारी योजनाएं - मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने सारंगढ़ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निपटारे और लोक- कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की ज़मीनी हकीकत परखी।

मंत्री वर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अधिकारी-कर्मचारी का सामूहिक योगदान होता है, इसलिए सभी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करें। राजस्व मंत्री वर्मा ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों से तहसीलवार लंबित राजस्व प्रकरणों जैसे—सीमांकन, खाता विभाजन और फौती नामांतरण की तुलनात्मक प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और राजस्व से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

उन्होंने पिछले वर्षों के स्वीकृत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अपूर्ण और अप्रारंभ कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और अधिकारियों से इसका कारण पूछा। ?जिला पंचायत सीईओ ने जानकारी दी कि कई मूल हितग्राहियों की मृत्यु हो जाने और उनके वैध नॉमिनी (वारिसदार) न होने के कारण कुछ कार्य अपूर्ण या अप्रारंभ हैं।

मंत्री वर्मा ने इस तकनीकी समस्या को जल्द से जल्द दूर कर आवास निर्माण कार्य को गति देने के निर्देश दिए। मंत्री वर्मा ने पीएम ग्राम सड़क योजना और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से जिले की नई स्वीकृत सड़कों और वर्तमान सड़कों के निर्माण व मरम्मत कार्य का ब्यौरा लिया। उन्होंने बारिश के मौसम को देखते हुए सड़कों की गुणवत्ता और कनेक्टिविटी दुरुस्त रखने की हिदायत दी।उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के अच्छे कर्तव्य निर्वहन और सेवा भाव से ही अंतिम छोर पर बैठे जरूरतमंद हितग्राही को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिल सकता है। काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान मंत्री ने जिले के विकास और आम जनता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। जिसमे आयुष्मान कार्ड प्रगति, जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाएँ, जीवनदीप समिति के कार्य,जिले में पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की उपलब्धता, खरीफ सीजन हेतु किसानों के लिए खाद-बीज का भंडारण व सहकारी समितियों में मांग-आपूर्ति की स्थिति,पेंशन योजनाएं, छात्रावासों की स्थिति, अनुकंपा नियुक्ति के मामले और 'सेवा सेतु' के माध्यम से आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रगति,पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना,जल जीवन मिशन के कार्य आदि शामिल है।

**दुर्लभ वन भैंसा से लेकर बाघों की दहाड़ तक, हर कदम पर रोमांच और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा अनुभव**

# प्रकृति, रोमांच और वन्य जीवन का अद्भुत संगमः उदंती अभ्यारण्य बन रहा छत्तीसगढ़ का नया इको-टूरिज्म आकर्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित उदंती अभ्यारण्य आज राज्य के उभरते हुए इको-टूरिज्म स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। घने वनों, स्वच्छ जलधाराओं, समृद्ध जैव विविधता और दुर्लभ वन्यजीवों से भरपूर यह अभ्यारण्य प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव फोटोग्राफरों, पक्षी प्रेमियों और साहसिक पर्यटन के शौकीनों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

उदंती अभ्यारण्य की सबसे बड़ी विशेषता यहां संरक्षित दुर्लभ वन भैंसा (वाइल्ड बफेलो) हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ की वन्य विरासत का गौरव माना जाता है। अभ्यारण्य में वन भैंसों के झुंड प्राकृतिक आवास में विचरण करते दिखाई देते हैं, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। हाल के वर्षों में वन विभाग द्वारा किए गए संरक्षण प्रयासों ने इस दुर्लभ प्रजाति के संरक्षण को नई दिशा दी है।

उदंती नदी के शांत और मनोरम तट पर्यटकों को प्रकृति के बीच रोमांच का अनुभव कराते हैं। प्रकृति भ्रमण, जंगल ट्रैकिंग, बर्ड वॉचिंग और वन्यजीव फोटोग्राफी जैसी गतिविधियां पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं। जंगल की पगडंडियों पर चलते हुए वन्यजीवों और दुर्लभ वनस्पतियों को करीब से देखने का अवसर मिलता है।

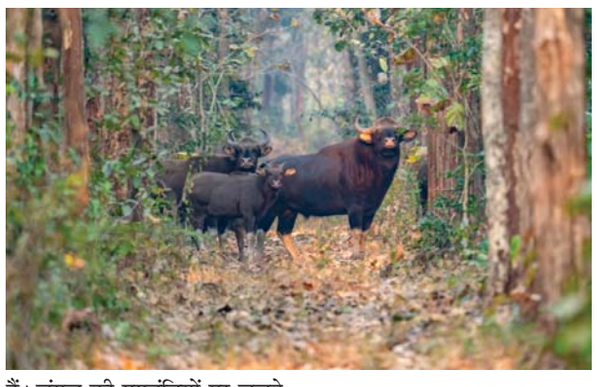

उदंती अभ्यारण्य केवल वन भैंसा या बाघों तक सीमित नहीं है। यहां चीतल, सांभर, भालू, तेंदुआ, सियार, जंगली सूअर, विशाल गिलहरियां तथा अनेक औषधीय और दुर्लभ वनस्पतियां पाई जाती हैं। यह संपूर्ण क्षेत्र जैव विविधता का एक जीवंत संग्रहालय प्रतीत होता है, जहां प्रकृति अपने सबसे सुंदर और संतुलित स्वरूप में दिखाई देती है। उदंती अभ्यारण्य प्रकृति और मानव के सहअस्तित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां आने वाले पर्यटक केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ही नहीं लेते, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और वन्यजीव सुरक्षा के महत्व को भी समझते हैं।

स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन विभाग के संरक्षण प्रयास इस क्षेत्र को सतत पर्यटन का आदर्श मॉडल बना रहे हैं।

### पर्यटन की अपार संभावनाएं

छत्तीसगढ़ पर्यटन की दृष्टि से उदंती अभ्यारण्य में अपार संभावनाएं हैं। उदंती अभ्यारण्य आज केवल एक वन क्षेत्र नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक धरोहर, वन्यजीव संरक्षण की सफलता और प्रकृति पर्यटन की नई पहचान बनकर उभर रहा है। यहां की हरियाली, वन्य जीवन और शांत वातावरण पर्यटकों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं।

### बाघों की मौजूदगी ने बढ़ाया आकर्षण

उदंती अभ्यारण्य के कैमरा ट्रैप और वन्यजीव निगरानी से प्राप्त चित्रों में बाघों की सक्रिय मौजूदगी दर्ज की गई है। जंगल के भीतर विचरण करते बाघ, तेंदुए और अन्य शिकारी वन्यजीव इस क्षेत्र की समृद्ध पारिस्थितिकी का प्रमाण हैं। यह क्षेत्र मध्य भारत के महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारों में से एक के रूप में विकसित हो रहा है।

### पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग

उदंती के जलाशयों और नदी तटों पर विभिन्न प्रकार के स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों का बसेरा देखने को मिलता है। जलपक्षियों के समूह, दुर्लभ शिकारी पक्षी और रंग-बिरंगे वन पक्षी यहां की जैव विविधता को और समृद्ध बनाते हैं। सुबह और शाम के समय पक्षियों की मधुर चहचहाहट पर्यटकों को प्रकृति के बेहद करीब ले जाती है।

### तालाब बना तरक्की का आधार, मिला आर्थिक सशक्तिकरण का नया आधार

**रायपुर।** विकासखंड मुंगेली के ग्राम जरहागांव की श्रीराम जानकी मछुआ सहकारी समिति ने तालाब में मछली पालन कर अपनी तरक्की का आधार बनाया है। इससे मछुआरों को आर्थिक सशक्तिकरण का नया आधार मिल गया है। वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन के माध्यम से समिति के सदस्यों ने न केवल अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है, बल्कि गांव के मछुआ परिवारों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। वर्ष 2023 में पंजीकृत इस समिति को वर्ष 2023-24 में शासकीय अमहा तालाब का 10 वर्षीय पट्टा आवंटित किया गया। लगभग 2.051 हेक्टेयर जलक्षेत्र में समिति द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन का कार्य प्रारंभ किया गया।

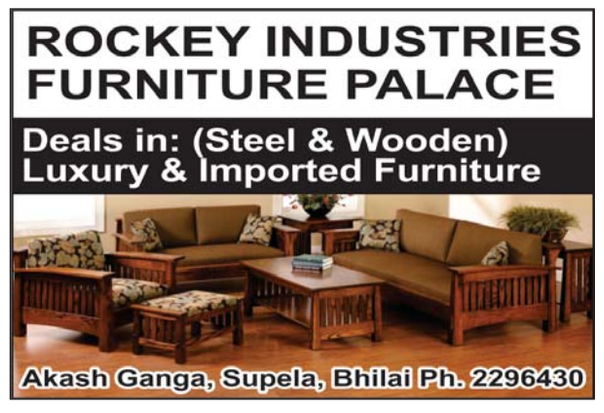

## खास खबर

### तेज रफ्तार बाइक ठेला से टकराया, निगम कर्मी की मौके पर दर्दनाक मौत

**कोरबा।** शहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में नगर निगम के एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ठेला चालक टीपी नगर से अपना ठेला लेकर बुधवारी की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर सीधे ठेले से जा भिड़ी। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और देखते ही देखते घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर मानिकपुर चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान बालको निवासी सुनील गुप्ता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह नगर निगम में सहायक प्रोग्रामर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिजनों और परिचितों में शोक की लहर है।

### कोयला चोरी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

**बिलासपुर।** सकरी थाना पुलिस ने कोयला चोरी और मिलावट के चर्चित मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 10 जून 2026 को भाटिया एनर्जी एंड कोल बेनिफिकेशन प्रा. लि. लोखंडी के प्रतिनिधि आर.के. पाण्डेय ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि दीपका कोल माइंस से मंगाए गए एफ/जी ग्रेड कोयले की गुणवत्ता जांच के दौरान गड़बड़ी सामने आई। जांच में पाया गया कि ट्रेलरों में लाया गया कोयला निर्धारित ग्रेड का नहीं था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि कोयले की चोरी कर उसमें मिलावट की गई थी। मामले में बालाजी कोल ट्रेडिंग एंड कंस्ट्रक्शन के संचालक और प्लांट सुपरवाइजर समेत अन्य लोगों की मिलीभगत सामने आई। पुलिस ने इस मामले में पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सकरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

### दो लाख की उठाईगिरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

**रायगढ़।** तमनार थाना पुलिस ने बैंक के बाहर हुई 2 लाख रुपये की उठाईगिरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर आरोपी को जशपुर जिले से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार ग्राम गौरबहरी निवासी लोकेश्वर पटेल ने 8 जून को तमनार स्थित अपेक्स बैंक से 2 लाख रुपये निकालकर अपनी मोटरसाइकिल की डिक्की में रखे थे। तहसील कार्यालय में कार्य के दौरान अज्ञात बदमाशों ने डिक्की तोड़कर नकदी पार कर दी। मामले में थाना तमनार में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि ोहन सिंह के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने बैंक और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। जांच में नट गिरोह के सदस्य विशाल उर्फ हरि नट और उसके साथी धर्मेन्द्र मीणा उर्फ धर्मेन्द्र नट की संलिप्तता सामने आई। पुलिस टीम ने जशपुर जिले में सात दिनों तक कैंप कर आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी और ग्राम झक्कड़पुर के पास घेराबंदी कर धर्मेन्द्र नट को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी विशाल उर्फ हरि नट के साथ मिलकर बैंक से निकले लोगों की रेकी कर डिक्की तोड़कर 2 लाख रुपये चोरी करने की बात स्वीकार की। बंटवारे में मिले एक लाख रुपये से उसने नई टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल खरीदी थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल, चोरी की रकम से खरीदी गई दूसरी नई अपाचे बाइक और डिक्की तोड़ने में इस्तेमाल लोहे के औजार जब्त किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

# पिकअप की स्टेपनी में छिपा रखा था गांजा, तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह तीनों तस्कर पिकअप की स्टेपनी में गांजा छिपाकर रखे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 15 किलो 500 ग्राम गांजा, 4 मोबाइल फोन व पिकअप वाहन सहित कुल 17 लाख 72000 रुपए का मशरुका जब्त किया है। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।

### 15 किलो से ज्यादा गांजा जब्त

दरअसल शनिवार की दोपहर लगभग 01:00 बजे थाना जामुल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि घासीदास नगर मैदान में खड़ी एक सफेद रंग की पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 07 सीजेड 8442 में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखा गया है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। वाहन में तीन व्यक्ति सवार मिले। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान वाहन में रखे प्लास्टिक कैरेट के बीच दो स्टेपनी टायर पाए गए।

संदेह होने पर ऑटो मिस्त्री की सहायता से टायरों को खुलवाकर जांच की गई, जिसमें एक टायर के अंदर 16 पैकेट एवं दूसरे टायर के अंदर 15 पैकेट कुल 15 किलो 500 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपियों द्वारा गांजा को छिपाकर परिवहन किया जा रहा था। आरोपियों के कब्जे से 15 किलो 500 ग्राम गांजा, बिक्री रकम 2,000 रुपये, पिकअप वाहन एवं 04 मोबाइल फोन जब्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध धारा 21(ख), 27(क), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा दिनांक 20.06.2026 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना जामुल पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा प्रभावी घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ की बड़ी खेप जप्त की गई। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मादक पदार्थों के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन अथवा तस्करी संबंधी किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

## कोरबा में रिश्तेदार ने नकली गन दिखाकर नाबालिग से किया छेड़छाड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** सीएसईबी चौकी क्षेत्र के कोहड़िया इलाके में 12 वर्षीय नाबालिग से छेड़छाड़, मारपीट और लूट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी युवक बिलासपुर से कोरबा आया था। वह पीड़िता के पिता से जमीन के सौदे और पैसों के लेनदेन के संबंध में मिलने पहुंचा था।

इस दौरान आरोपी के साथ दो अन्य व्यक्ति भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान आरोपी और पीड़िता के पिता कोहड़िया क्षेत्र के पास सड़क किनारे जंगल में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पीड़िता के पिता की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया।

पिता की चीख-पुकार सुनकर 12 वर्षीय नाबालिग बेटी मौके पर पहुंची। आरोप है कि आरोपी ने उसे नकली गन दिखाकर डराया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने नाबालिग के साथ मारपीट भी की। पीड़िता के अनुसार, मारपीट के दौरान आरोपी ने उसके बैग में रखे 30 हजार रूपए भी छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने दो साथियों के साथ मौके से फरार हो गया।

मौके पर पहुंची सीएसईबी चैकी पुलिस ने पीड़िता और अन्य संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए। इसके बाद नाबालिग को मेडिकल टेस्ट के लिए भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, मेडिकल जांच में छेड़छाड़ और मारपीट की पुष्टि हुई है। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि जांच में आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार पाया गया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ पास्को एक्ट, लूट, मारपीट और धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस आरोपी और उसके दो साथियों की तलाश में जुटी हुई है। आसपास के क्षेत्रों में दबिश दी जा रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

## रायपुर कोर्ट में फर्जी वकील गिरफ्तार, आधार और आईडी कार्ड बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के जिला न्यायालय परिसर से एक कथित फर्जी वकील को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जांच में मामले से जुड़े कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4 से 5 संदिग्ध आधार कार्ड सहित कई पहचान पत्र बरामद किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक आरोपी कोर्ट परिसर में वकील बनकर आने-जाने वाले लोगों से संपर्क कर रहा था। पूछताछ के दौरान वह बार-बार अपनी पहचान बदलकर बताने लगा। कभी उसने खुद को हरीश डहरिया बताया, तो कभी मनीष कुर्रे के नाम से परिचय देने की कोशिश की। उसके जवाबों में लगातार विरोधाभास मिलने पर अधिवक्ताओं का संदेह और गहरा गया, जिसके बाद मामले की जानकारी

पुलिस को दी गई।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 4 से 5 संदिग्ध आधार कार्ड समेत कई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद किए गए। वहीं, अब पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद दस्तावेज असली हैं या फर्जी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था और इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

बताया जा रहा है कि आरोपी किसी क्लाइंट का काम कराने के नाम पर कोर्ट परिसर पहुंचा था, जब संबंधित काम नहीं हो सका, तो क्लाइंट ने परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। उसके व्यवहार और गतिविधियों पर संदेह होने पर वकीलों ने उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी के जवाब संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद उसके कथित फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। शुरुआती जांच में इस मामले में एक संगठित गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी से जुड़े पांच अन्य सदस्य फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी कब से कोर्ट परिसर में सक्रिय था और उसने अब तक कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच जारी है।

## डाकघर में ज्यादा ब्याज का झांसा देकर महिला से 6 लाख की ठगी का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** जिले के उरगा थाना क्षेत्र में पति की मृत्यु पश्चात बीमा के पैसे और घर का ट्रैक्टर बेचकर जुटाई गई जमापूंजी को उसने इस भरोसे के साथ सौंप दिया था कि उससे मिलने वाला ब्याज उसके परिवार का सहारा बनेगा। ठग ने राशि डाकघर में जमा कराने के नाम पर तो ले ली, परन्तु जमा नहीं करी। उससे उसने अपना कर्ज चुका दिया।

जानकारी के अनुसार परिवार के मुखिया के चले जाने के बाद घर की जिम्मेदारी पत्नी के कंधों पर आ गई। उन्हें बीमा से मिली राशि को सुरक्षित निवेश करने की चिंता थी। इसी बीच एक परिचित ने खुद को डाकघर से जुड़ा बताते हुए अधिक ब्याज का भरोसा दिलाया। महिला ने पुलिस को बताया कि पति के निधन के बाद ट्रैक्टर भी घर में बेकार पड़ा था। खेती और अन्य कार्यों में उसका उपयोग नहीं हो पा रहा था। ऐसे में उसने ट्रैक्टर को बेचने का फैसला किया, ताकि कुछ अतिरिक्त रकम जुटाई जा सके। बीमा की राशि और ट्रैक्टर बिक्री से मिले पैसों को मिलाकर करीब छह लाख रुपये हुए। जानकारी लेने पर उसे पता चला कि उसके नाम पर केवल 50 हजार रुपये ही जमा हुए थे। यह जानकारी मिलते ही उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

पूछताछ करने पर युवक ने पुलिस को बताया वह कर्ज में डूबा हुआ था और महिला से ली गई रकम को उसने अपना कर्ज चुकाने में खर्च कर दिया। रकम डूबने के बाद आर्थिक संकट और मानसिक तनाव दोनों बढ़ गए हैं। उसने पुलिस को आडियो और वीडियो साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। महिला की शिकायत पर उरगा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## 1.77 करोड़ की निवेश धोखाधड़ी का फरार आरोपी विश्वजीत देवनाथ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायगढ़।** ऑपरेशन क्लीन हंट के तहत थाना कोतवाली रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपये की निवेश धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी विश्वजीत देवनाथ को जिला जांजगीर-चांपा में दबिश देकर गिरफ्तार किया गया है। मरायगढ़ निवासी संजय मिश्रा द्वारा 30 मई 2026 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। आरोपी ने स्वयं को एलईडी बल्ब मैन्युफैक्चरिंग एवं शेयर मार्केट ट्रेडिंग व्यवसाय से जुड़ा बताते हुए निवेश करने पर प्रतिमाह 6 प्रतिशत ब्याज तथा 10 प्रतिशत मूलधन वापसी का भरोसा दिलाया था। आरोपी के झांसे में आकर संजय मिश्रा ने आईसीआईसीआई बैंक से 12 लाख रुपये का ऋण लेकर निवेश किया। प्रारंभिक कुछ माह तक आरोपी नियमित रूप से ब्याज देता रहा, जिससे विश्वास बढ़ा और बाद में अन्य लोगों को भी निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने संजय मिश्रा सहित विकास साहू, राकेश मनहर, रितेश साव, देव कश्यप, सुनील पाणिग्रही, शिशुपाल, कृष्णा पाण्डे, कृष्णा द्विवेदी, राकेश सरकार, लोचन पटेल, मनिल गुप्ता तथा अजय वर्मा

समेत कई निवेशकों से कुल 1 करोड़ 77 लाख 10 हजार रुपये निवेश कराए थे। बाद में जब निवेशकों को यह जानकारी हुई कि शेयर ट्रेडिंग के लिए डीमैट खाता आवश्यक होता है और आरोपी द्वारा किसी प्रकार का डीमैट दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया है, तब उन्हें धोखाधड़ी का संदेह हुआ और रिपोर्ट दर्ज कराई गई। विवेचना के दौरान आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाई गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सुखनंदन पटेल द्वारा जांजगीर-चांपा पुलिस से समन्वय स्थापित कर विशेष टीम रवाना की गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी को जांजगीर-चांपा से हिरासत में लेकर रायगढ़ लाया।

आरोपी विश्वजीत देवनाथ ने बताया कि वह लोगों से निवेश कराकर विभिन्न बैंक खातों और ट्रेडिंग प्लेटफार्म के माध्यम से शेयर बाजार में रकम लगाता था। प्रारंभिक अवधि में निवेशकों को ब्याज एवं राशि का भुगतान भी किया गया, जिससे और लोगों का निवेश बढ़ता गया। आरोपी ने बताया कि मई 2025 के बाद शेयर बाजार में भारी नुकसान होने के कारण वह निवेशकों की रकम वापस नहीं कर सका। आरोपी ने यह भी बताया कि उसके उपयोग की फॉर्च्यूनर वाहन तथा बैंकिंग दस्तावेज थाना चांपा में दर्ज प्रकरण में पूर्व में जप्त किए जा चुके हैं।

पुलिस ने आरोपी विश्वजीत देवनाथ पिता जतीन्द्र देवनाथ, उम्र 43 वर्ष, निवासी ईटला पोडापाड़ा, पोस्ट कालीहाट, थाना कोतवाली कृष्णानगर, जिला नदिया को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपी के बैंक खातों, ट्रेडिंग खातों तथा अन्य वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जांच कर रही है। मामले में अन्य तथ्यों एवं संभावित निवेश नेटवर्क की भी जांच जारी है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा है कि शेयर मार्केट,ऑनलाइन निवेश अथवा अधिक मुनाफे का लालच देने वाली किसी भी योजना में निवेश से पहले उसकी वैधता और दस्तावेजों का सत्यापन अवश्य करें। बिना जांच-पड़ताल किसी व्यक्ति के कहने पर धनराशि निवेश न करें।

## कोरबा में डंपर पलटने से ऑपरेटर की मौत, ओबी डंप क्षेत्र में हुआ हादसा

**कोरबा।** सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित एवं संचालित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना कोयला खदान कुसमुंडा परियोजना में एक घटित हादसे में डंपर ऑपरेटर की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय सत्यनारायण अर्धरात्रि लगभग 12.30 बजे ओबी (ओवरबर्डन) डंप क्षेत्र में डंपर का संचालन कर रहे थे। इसी दौरान डंपर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि डंपर के केबिन में फंसने से सत्यनारायण की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही खदान प्रबंधन, सुरक्षा विभाग के अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद डंपर में फंसे ऑपरेटर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा परिजनों को घटना की सूचना दी गई। हादसा ओबी डंप क्षेत्र में कार्य के दौरान हुआ है। हालांकि डंपर पलटने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। खदान प्रबंधन द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल प्रबंधन द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा मृतक के परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## बीएसपी कर्मचारी के बेटे ने की आत्महत्या , बंद स्कूल में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) कर्मचारी के बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दीपांशु वर्मा (22) का शव करीब 10 साल से बंद पड़े बीएसपी स्कूल परिसर में फंदे से लटका मिला। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है।

घरवालों के मुताबिक, दीपांशु रोज की तरह घर से निकला था, लेकिन देर तक घर नहीं लौटा। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान जानकारी मिली कि बीएसपी सेक्टर-4 स्थित बंद पड़े स्कूल परिसर में एक युवक का शव लटका हुआ है। सूचना पर परिवार और पुलिस मौके पर पहुंचे, जहां शव की पहचान दीपांशु के रूप में की गई। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है।

नोट में लिखा है- 'मुझसे नफरत करने के लिए धन्यवाद। मेरे शरीर को दफनाया नहीं जाना चाहिए, इसका अंतिम संस्कार (दाह-संस्कार) किया जाना चाहिए।' हालांकि, नोट में किसी व्यक्ति का नाम या आत्महत्या के पीछे का स्पष्ट कारण नहीं लिखा गया है।

शुरुआती जांच में पता चला कि छात्र ने बीएससी की पढ़ाई पूरी कर ली थी, लेकिन नौकरी

नहीं मिल रही थी, इसलिए वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह साइकिल से बीएसपी स्कूल बिल्डिंग आया था और खुद ही रस्सी खरीदकर लेकर आया था।

घरवालों ने बताया कि घर से निकलने से पहले दीपांशु ने अपनी मां से 100 रुपए मांगे थे। उस समय मां नींद में थीं और उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद वह घर से निकल गया। परिवार को अंदाजा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा।

फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है और सुसाइड नोट समेत अन्य पहलुओं के आधार पर आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

# मनगटा रिसोर्ट कांड : युवती से हुआ था दुष्कर्म रिसोर्ट मालिक सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**राजनांदगांव।** जिले के सोमनी थाना क्षेत्र के मनगटा स्थित विशलिंगवुड्स रिसोर्ट में तीन दिन पहले युवती की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। युवती से रेप की पुष्टि हुई और पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने विशलिंगवुड्स रिसोर्ट के मालिक आशुतोष हिरवानी, व उसके दो सहयोगी छत्रपाल देशमुख और घनश्याम बेलचंदन को गिरफ्तार किया है। आशुतोष ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवती को जबरन शराब पिलाई और रिसोर्ट में उससे रेप किया।

बता दें 18 जून को भिलाई की युवती की संदिग्ध स्थिति में रिसोर्ट में मौत हो गई थी। उसे मेडिकल

कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक दिलीप पटेल एवं साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में थाना सोमनी व साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी रिसोर्ट के मालिक आशुतोष हिरवानी व उसके दो सहयोगी छत्रपाल देशमुख और घनश्याम बेलचंदन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी आशुतोष हिरवानी ने 24 वर्षीय युवती को रास्ते में जबरन शराब पिलाई थी। रिसोर्ट पहुंचने पर युवती मदहोश हो गई थी। इस अवस्था का फायदा उठाकर आशुतोष ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इस दौरान युवती को शारीरिक चोटें भी आईं। पुलिस के अनुसार, यह एक गंभीर अपराध है, जिसमें युवती की जान चली गई।

पुलिस ने संबंधित विशलिंगवुड्स रिसोर्ट को सील कर दिया है। इस पूरे मामले की गहन जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फरार आरोपियों की तलाश और अन्य साक्ष्यों को जुटाने का काम जारी है। पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

### 69 मामलों में जब्त 465 लीटर अवैध शराब किया नष्ट

**कांकेर।** कांकेर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 69 आबकारी प्रकरणों में जब्त 465 लीटर अवैध शराब एवं महुआ पास का नष्टीकरण किया है। नष्ट की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में शनिवार को चौकी दुधावा परिसर में पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। आबकारी एक्ट के विभिन्न मामलों में जब्त देशी, विदेशी और महुआ शराब को नियमानुसार नष्ट किया गया। पुलिस के अनुसार चौकी दुधावा के 46 प्रकरणों से जब्त 346 लीटर, थाना नरहरपुर के 16 प्रकरणों से 87 लीटर तथा चौकी हल्बा के 7 प्रकरणों से 32 लीटर अवैध शराब एवं महुआ पास को नष्ट किया गया। इस तरह कुल 69 प्रकरणों में जब्त 465 लीटर शराब का विधिवत नष्टीकरण किया गया।

## खास खबर

### गोल्डन बुक में दर्ज हुआ जशपुर वनमण्डल का नाम

**रायपुर।** पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में जशपुर वनमण्डल ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एक ही दिन में 2 लाख से अधिक सीडबॉल के प्रसार एवं रोपण का कार्य संपादित कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की राज्य प्रमुख सोनल राजेश शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में जशपुर वनमण्डल को आधिकारिक प्रमाण-पत्र प्रदान किया। वनमण्डल की ओर से यह प्रमाण-पत्र वनमण्डलाधिकारी शशि कुमार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जशपुर में संचालित बीज गोला बनाबो, जशपुर के जंगल ला बढ़ाबो अभियान जनभागीदारी और प्रकृति संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

### श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 जून तक

**दुर्ग।** श्रम विभाग द्वारा जिले के पंजीकृत श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया है। ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार ई-केवाईसी के माध्यम से श्रमिकों के डाटा का सत्यापन एवं अद्यतन किया जाएगा, जिससे उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। आधार के अनुसार डाटा संशोधन का कार्य सीएससी केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है, जहां श्रमिक आधार कार्ड के अनुरूप सत्यापन करा सकते हैं। सिर्फ ई-केवाईसी वाले पंजीकृत श्रमिकों को ही योजनाओं का लाभ मिलेगा। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले श्रमिकों के नाम पोर्टल से हटाए जा सकते हैं तथा मृत अथवा अपात्र हितग्राहियों के नाम भी सूची से पृथक किए जाएंगे।

# गधहाभाटा अब कहलाएगा 'सोनपुर', डिप्टी सीएम शर्मा ने ग्रामवासियों को सौंपी राजपत्र की प्रति

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** कबीरधाम जिले के ग्राम गधहाभाटा का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर सोनपुर कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने शनिवार को ग्राम सोनपुर पहुंचकर ग्रामवासियों को राजपत्र की प्रति सौंपते हुए बधाई दी।

इस दौरान ग्राम विकास के लिए उप मुख्यमंत्री ने 7 लाख 50 हजार रुपए के कई विकास कार्यों की घोषणाएं भी कीं। उन्होंने सामुदायिक भवन मरम्मत के लिए 2.50 लाख रुपए, किचन निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए, गौठान समतलीकरण के लिए 1 लाख रुपए तथा पचारी निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए की घोषणा की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ग्रामवासियों की लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग थी। स्थानीय लोगों की भावना और मांग को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया। इसके बाद मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा हुई, राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और अंततः राजपत्र में इसका प्रकाशन किया गया। उन्होंने कहा कि अब यह नाम

सरकारी अभिलेखों और वेब पोर्टल में स्थायी रूप से दर्ज रहेगा। साथ ही ग्रामवासियों से अपील की कि वे भी अपने व्यवहार और दैनिक उपयोग में नए नाम 'सोनपुर' को अपनाएं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के नाम केवल पहचान नहीं होते, बल्कि वे स्थानीय इतिहास, संस्कृति और जनभावनाओं से जुड़े होते हैं। 'सोनपुर' नाम परिवर्तन ग्रामवासियों के आत्मसम्मान और क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करने वाला सकारात्मक कदम है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में एक अन्य गांव चांडालपुर का नाम भी बदलकर चंदनपुर किया गया है तथा उसका प्रकाशन भी राजपत्र में किया जा चुका है। ग्राम वासियों ने भी उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा का ग्राम को नई पहचान दिलाने में पहल करने के लिए आभार व्यक्त किया।

इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास प्लस नवीन सर्वे की स्थायी सूची के लिए 24 जून को विशेष ग्राम सभा में ग्राम पंचायत स्तर पर वाचन किया जाएगा, ताकि पात्र परिवारों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

# योगाभ्यास स्वास्थ्य, संतुलन व मानव कल्याण का प्रभावी माध्यम : राजवाड़े

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : बलरामपुर में हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बलरामपुर जिले में स्वस्थ आयु के लिए योग थीम के साथ व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल के हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सहभागिता करते हुए विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा नागरिकों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। आज विश्व के अनेक देशों में योग को स्वास्थ्य, संतुलन और मानव कल्याण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। योग और अध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं तथा यह व्यक्ति को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन की दिशा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। योग ऐसी प्राचीन भारतीय साधना है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलित कर निरोग जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। योग व्यक्ति में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नई ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए उपस्थित लोगों को नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रशिक्षकों द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, वज्रासन, मकरासन सहित विभिन्न योगासनों के साथ भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्काउट-गाइड, रोवर एवं रेंजर के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने तथा अनुशासन, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। इसके पश्चात उन्होंने एक पेड़ मां के नाम हाई स्कूल मैदान परिसर में मौलश्री का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

### लोक सेवा केंद्रों से मिलने वाली सुविधाएं बढ़ी

**रायपुर।** राज्य शासन ने नागरिक सेवाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और डिजिटल रूप से सुलभ बनाने की दिशा में पहल करते हुए प्रदेश में संचालित लोक सेवा केंद्रों का उन्नयन कर उन्हें अब सेवा - सेतु केंद्र नाम दिया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को एक ही स्थान पर अधिकतम शासकीय एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से 73 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं अब सेवा-सेतु केंद्रों के जरिए 442 सेवाएं नागरिकों को प्रदान की जा रही हैं। इससे शासन की सेवाएं गांव-गांव और आमजन तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी।

# तारकेश्वर से मोदी ने की किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी

**रायपुर (एसकेपी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी करते हुए किसानों के बैंक खातों में राशि का प्रत्यक्ष अंतरण किया। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के कृषि विज्ञान केंद्र में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के 1,20,719 किसानों के डीबीटी बैंक खातों में कुल 24.15 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों को 18,880 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में जारी की गई। कृषि विभाग के उप संचालक राकेश कुमार शर्मा ने किसानों को खरीफ मौसम में धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन का रकबा बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण कराकर वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह भी दी।

# सीएम ने शुरू की फोन आधारित शिक्षा 'जश लर्न'

**रायपुर (एसकेपी)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले में निज निवास बगिया से जशपुर जिले की अभिनव शैक्षणिक पहल 'जश लर्न' का जिला स्तरीय शुभारंभ किया। फरसाबहार विकासखंड में सफल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित इस कार्यक्रम को अब जिले के सभी विकासखंडों तक विस्तारित किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की आधारभूत गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ शिक्षक, पालक और विद्यार्थियों की सहभागिता से सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती है। आधुनिक तकनीक और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षक, पालक और विद्यार्थी एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तब शिक्षा के परिणाम अधिक सकारात्मक और स्थायी होते हैं। श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'जश लर्न' कार्यक्रम बच्चों की गणितीय समझ विकसित करने में सहायक होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950